RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः324, शुक्रवार, 9 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ डुमरियाघाट में उबाल, ट्रंप का पुतला दहन 03

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, 349 पासपोर्ट बरामद 04

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण, यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरवेल... 07

7 राज्यों के 11 कोर्ट कॉम्पलेक्स को उड़ाने की धमकी

ईमेल मिलने के बाद परिसर खाली कराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10 कोर्ट परिसर को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद कोर्ट परिसर खाली करा लिए गए हैं। पुलिस की टीमें और डॉग स्क्वाड जांच कर रही है। सभी जगह दहशत का माहौल है। सभी जगह धमकी ई मेल के जरिए मिली है। पंजाब के फिरोजपुर, मोगा, रोपड़ जिला अदालत को भी थ्रेट कॉल आई है। वहीं, हिमाचल हाईकोर्ट को भी धमकी मिली है। इससे वहां दहशत का माहौल है। गुरुवार को ही छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव कोर्ट को,मध्यप्रदेश के रीवा जिला न्यायालय को,केरल के कासरगोड जिला कोर्ट को एवं बिहार के 4 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। लेटर में लिखा- आरडीएक्स प्लांट हैं, श्रीलंका के ईस्टर ऑपरेशन जैसे धमाके होंगे।

बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

- 10,675 मीट्रिक टन डामर बिछाया गया

विजयवाड़ा (एजेंसी)। एनएचएआई ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-544 प्रतिशत) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू सोशल मीडिया एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया।

फिरोजपुर में परिवार की हत्या कर सुसाइड किया

- पहले प्रॉपर्टी कारोबारी ने पत्नी और 2 बेटियों को गोली मारी

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी एवं फाइनेंसर अमनदीप सिंह ने 2 बेटियों और पत्नी को गोली मारकर खुद भी सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सुबह जब सफाई करने वाली घर आई और उसने दरवाजा खटखटाया तो किसी ने दरवाजा नहीं खोला। सफाई वाली ने घर के ऊपर रहने वाले किराएदार को फोन कर पूछा। तब उसने किराएदारों के कहने पर घर के मालिक को फोन किया। फिर भी घर के अंदर फोन बजता रहा, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया और न ही किसी ने दरवाजा खोला। इससे उन्हें शक हुआ कि कहीं उन्हें गैस तो नहीं चढ़ गई। मगर, जब वे नीचे आए और दरवाजा तोड़ा तो पता चला कि सबकी मौत हो चुकी है। अमनदीप के अलावा उसकी पत्नी जसवीर कौर, बेटी मनवीर (10) और परनीत (6) का शव पड़ा था। पुलिस ने मौके से पिस्टल भी बरामद कर लिया है।

प्रयागराज में तेंदुए ने किया अटैक

जान बचाकर भागे लोग, घर में घुसा, किसान ने कमरे में बंद किया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के रिहायशी इलाके में तेंदुआ घुस गया है। 2 लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है। इसके बाद एक किसान के घर में घुस गया। परिवार के 5 लोगों ने भागकर जान बचाई। किसान ने हिम्मत दिखाकर तेंदुए को मकान में बंद कर दिया।

प्रयागराज माघ मेले में 30 फीट का शिवलिंग | **7 साल से एक पैर पर खड़े हैं बाबा, पहली बार महिला जल पुलिस तैनात**

श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में रोजाना 10 लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद साधु-संत, अखाड़े और कल्पवासी संगम की रेती पर डेरा जमाए हुए हैं। तपस्या कर रहे हैं।

मेले में साधु-संतों की मौजूदगी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। एक बाबा ऐसे भी पहुंचे हैं, जो 7 साल से एक पैर पर खड़े होकर तपस्या कर रहे हैं। बाबा का कहना है कि वह यह तप समाज के कल्याण के लिए कर रहे हैं।

रीवा की रहने वाली मोना सिंह एक हाथ में कलश और दूसरे में माला ली हुई है, जबकि सिर पर मुकुट पहना है। मोना का कहना है कि उन्होंने यह वेश इसलिए धारण किया है, ताकि गंगा मां का आशीर्वाद बना रहे। माघ मेले में भी महाकुंभ की तरह झूंसी में 30 फीट ऊंचा शिवलिंग स्थापित किया गया है। इस बार माघ मेला करीब 800 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे 7 सेक्टरों में बांटा गया है। यहां करीब 8 किलोमीटर लंबे स्नान घाट बनाए गए हैं। महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था महाकुंभ की तर्ज पर की गई है।

इसके अलावा गोल्डन और सिल्वर बॉय बनकर आए दो युवक भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दोनों ने पूरे शरीर पर गोल्डन और सिल्वर रंग की पॉलिश कर रखी है। लोग उनके साथ सेल्फी ले रहे हैं, वहीं गोल्डन बॉय लोगों को देखकर हाथ जोड़कर प्रणाम करता है।

● टीएमसी के आई-पैक ऑफिस में ईडी की रेड

'लोकतंत्र के हत्यारे, हमसे लड़ नहीं सकते' : ममता

- कार्रवाई के बीच ममता फाइल उठाकर निकलीं, कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे
- ईडी ने कोर्ट में याचिका लगाई, आज होगी सुनवाई

कोलकाता (एजेंसी)। इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। वहीं ईडी ने कोर्ट में याचिका लगाई है आज सुनवाई होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता समेत 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता में प्रतीक छापेमारी के दौरान घर पर ही मौजूद रहे। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा।

● ईडी ने कहा- कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने दस्तावेज छीने

ईडी ने कहा कि कोलकाता में आई पीएसी कार्यालय पर छापे पूरी तरह सबूतों के आधार पर किए जा रहे हैं। यह किसी राजनीतिक दल या चुनाव से जुड़ा मामला नहीं है। यह कार्रवाई अवैध कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में हो रही है। फिलहाल 10 ठिकानों पर तलाशी जारी है। 6 पश्चिम बंगाल और 4 दिल्ली में। एजेंसी ने बताया कि जांच में कैश जनरेशन, हवाला ट्रांसफर से जुड़े परिसर शामिल हैं। किसी भी पार्टी कार्यालय की तलाशी नहीं ली गई। कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे लोग दो ठिकानों पर पहुंचे, अवैध दखल दिया और दस्तावेज छीन लिए।

ममता ने कहा-

यह कार्रवाई घटिया और शरारती गृह मंत्री करवा रहे- सीएम ममता ने कहा, क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला

कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं

- वकील बोले- देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर, हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं।

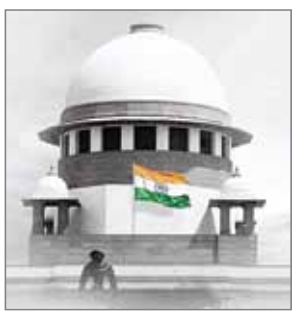

उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है।

राजस्थान में अब ई जीरो एफआईआर

पुलिस सम्मेलन में सीएम भजनलाल शर्मा ने किया लॉन्च

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसिंग को और अधिक सुदृढ़ व तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण ई-विजिटर्स पोर्टल और ई-जीरो एफआईआर का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 'राजस्थान पुलिस प्राथमिकता 2026' पुस्तक का भी विमोचन किया।

जयपुर में विकसित भारत में पुलिसिंग पर मंथन- 'विकसित भारत में पुलिसिंग' विषय पर आयोजित यह राज्य स्तरीय सम्मेलन 8 और 9 जनवरी को राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में आयोजित किया जा रहा है। अकादमी के निदेशक और अतिरिक्त महानिदेशक संजीव कुमार नार्जरी ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए राज्य की पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाना है।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद- सम्मेलन में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत भी उपस्थित रहे।

ईडी की बड़ी कार्रवाईः कोटवा व रघुनाथ पुर में सात घंटों तक चली छापेमारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा प्रखंड अंतर्गत आमवा गांव में गुरुवार तड़के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी से हड़कंप मच गया। रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में ईडी की टीम ने आमवा निवासी रामू श्रीवास्तव के पुत्र सक्षम श्रीवास्तव के आवास पर सघन तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सुबह करीब चार बजे शुरू हुई और कई घंटों तक जारी रही। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम तीन वाहनों में आमवा गांव पहुंची और सक्षम श्रीवास्तव के घर को चारों ओर से घेरकर तलाशी शुरू की। छापेमारी के दौरान घर में मौजूद दस्तावेजों, बैंक लेनदेन से जुड़े कागजात, डिजिटल उपकरणों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की गहन जांच की गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से गांव और आसपास के इलाकों में चर्चा और

अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूत्रों के मुताबिक, सक्षम श्रीवास्तव पर रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई युवाओं से लाखों रुपये ठगने का आरोप है। बताया जाता है कि वह रेलवे में नियुक्ति का भरोसा देकर अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूलता था। इस मामले में पहले भी उसके खिलाफ रुपये के लेनदेन से जुड़े केस दर्ज हो चुके हैं और वह पूर्व में जेल भी जा चुका है। अब इसी कथित ठगी नेटवर्क से जुड़े पैसों की मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत ईडी ने कार्रवाई की है। ईडी की जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि जालसाजी केवल रेलवे तक सीमित नहीं थी। वन विभाग, आयकर विभाग, उच्च न्यायालय, लोक निर्माण विभाग (PWD) और बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में फर्जी नियुक्तियों का झांसा देकर ठगी किए जाने की आशंका जताई जा रही है। ईडी की कार्रवाई आमवा गांव तक सीमित नहीं रही। तुरकौलिया प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित बालगंगा गांव में दीपक तिवारी के घर पर भी करीब सात घंटे तक छापेमारी की गई। हालांकि, ईडी ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। जांच जारी है और आगे कई अहम खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

'पापा पीरियड्स में हूं, प्लीज छोड़ दो'

हैवान पिता ने 5 हजार के लिए दरिंदों को सौंप दी अपनी बेटी

कर्नाटक(चिक्कमगलुरु) (एजेंसी)। आज के समय में क्राइम इतना बढ़ गया है कि अब लोगों को किसी अपने पर भरोसा करने से भी डर लगने लग गया है। लालच में आकर लोग अपने खून के रिश्तों का भी कत्ल कर देते है। यह मामला भी कुछ ऐसा ही है। एक पिता जिसे रक्षक माना जाता है, उसने पैसों के लालच में इस पवित्र रिश्ते को कलंकित कर दिया। यह मामला कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के बिरूर से मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने पैसों के लालच में अपनी ही नाबालिग बेटी को देह व्यापार में धकेल दिया। इस अपराध में लड़की की नानी भी शामिल थी। पुलिस ने पिता, नानी और मुख्य आरोपी समेत अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मां की हो चुकी है मौत - पीड़िता की मां का कुछ समय पहले निधन हो गया था। इसके बाद वह रिश्तेदारों के पास रहकर पढ़ाई कर रही थी। 12वीं (पीयूसी) की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के घर लौटी थी। उसे उम्मीद थी कि पिता उसका सहारा बनेंगे, लेकिन उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वही पिता उसकी जिंदगी बर्बाद कर देगा।

5 हजार रुपये रोज कमाने का लालच- दिसंबर में पिता अपनी बेटी को लेकर उसकी नानी के घर गया। वहां दो दिन रहने के दौरान पिता और नानी ने मिलकर लड़की को देह व्यापार में धकेलने की साजिश रच ली।

- **मंगलुरु में दो दिन तक किया गया यौन शोषण-** आरोपी पिता, भरत शेट्टी के साथ लड़की को मंगलुरु ले गया। रास्ते में लड़की ने बताया कि वह मासिक धर्म में है और बीमार है, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। अगले दिन भरत शेट्टी ने उसे धमकाया और कहा कि उसे कुछ लोगों के साथ जबरन संबंध बनाने होंगे। पीड़िता के अनुसार, 20 से 45 साल की उम्र के चार लोगों ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। जब उसने अपनी नाबालिग उम्र बताकर छोड़ने की गुहार लगाई, तब भी आरोपियों ने उसे नहीं छोड़ा। दो दिनों तक उसका लगातार यौन शोषण किया गया।
- **हिम्मत दिखाकर पहुंची पुलिस तक-** किसी तरह हिम्मत जुटाकर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पिता, नानी, भरत शेट्टी और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि भरत शेट्टी दक्षिण कन्नड़ जिले में देह व्यापार का बड़ा नेटवर्क चलाता था।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा

प्रोबेशन में वेतन कटौती अवैध

- सरकार 100 प्रतिशत काम लेती है तो सैलरी कम क्यों

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने प्रोबेशन पीरियड के दौरान वेतन में की गई कटौती को अवैध करार देते हुए स्पष्ट आदेश दिया है कि जिन कर्मचारियों से सैलरी काटी गई है, वह राशि एरियर्स सहित वापस की जाए।

हाईकोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा 12 दिसंबर 2019 को जारी सर्कुलर को रद्द कर दिया है, जिसके तहत नई भर्तियों में पहले वर्ष 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन देने का प्रावधान किया गया था।

100 प्रतिशत काम लिया तो वेतन में कटौती क्यों?- जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस दीपक खोट की डिवीजन बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सरकार कर्मचारियों से 100 प्रतिशत काम ले रही है, तो प्रोबेशन के नाम पर वेतन में कटौती का कोई औचित्य नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने कपिलदेव मिस्त्री के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिला के जोगाचक के रहने वाले कपिलदेव मिस्त्री के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व० कपिलदेव मिस्त्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित ग्राम निर्माण मंडल में खादी सूत कातने वाले बुनकरों के बीच 40 साल तक काम किया था। मैंने भी कपिलदेव मिस्त्री जी से सूत कातने का प्रशिक्षण लिया था। वे वंचित समाज के लोगों के लिये काम करते थे। उनके निधन की खबर अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

महासंघ (गोप गुट) ने राज्यकर्मियों के वेतन पुनरीक्षण हेतु आठवें राज्य वेतन आयोग गठित करने की मांग की

तत्काल महंगाई राहत देने की भी हुई मांग

पटना।महासंघ (गोप गुट) ने मुख्यमंत्री, बिहार को पत्र लिखकर आठवें राज्य वेतन आयोग का गठन करने की मांग की है। महासंघ (गोप गुट) के महासचिव प्रेमचंद कुमार सिन्हा ने पत्र में लिखा है कि लगातार महंगाई बढ़ रही है जिससे राज्यकर्मियों को कई प्रकार के आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में 58% महंगाई भत्ता की दर है। राज्यकर्मियों के लिए सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा को 1 जनवरी 2016 से लागू किया गया था। केंद्र सरकार द्वारा भी केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण हेतु आठवें केंद्रीय वेतन आयोग गठित किया जा चुका है। उक्त के आलोक में बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) की ओर से अनुरोध किया है कि बिहार के राज्यकर्मियों के वेतन पुनरीक्षण हेतु आठवें राज्य वेतन आयोग के गठन के साथ तत्काल महंगाई से राहत देने के लिए 50% महंगाई भत्ता को वेतन में शामिल कर मकान किराया भत्ता,चिकित्सा भत्ता आदि का भुगतान बढ़े हुए वेतन पर करने हेतु आदेश निर्गत किया जाए ताकि राज्यकर्मियों को बढ़ते महंगाई से कुछ राहत मिल सके।

आमजनों के जीवन को और अधिक सरल बनाने की दिशा में नीतीश सरकार संकल्पित : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि वर्ष 2005 में राज्य की बागडोर संभालने के बाद से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनके जीवन को अधिक सरल, सुगम और सुविधाजनक बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य किया है। इसका परिणाम है कि आज ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अपने दो दशकों के शासनकाल में नीतीश कुमार ने विकास की रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया है। इसी जनकल्याणकारी सोच के तहत मुख्यमंत्री द्वारा सात निश्चय-पार्ट 3 कार्यक्रम के अंतर्गत सबका सम्मान-जीवन आसान की शुरूआत की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों को कम करना है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह के दो कार्यदिवस (सोमवार एवं शुक्रवार) को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला, प्रमंडल तथा राज्य स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में संबंधित पदाधिकारी अपने निर्धारित कार्यस्थल/कार्यालय कक्ष में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इस दौरान आमजन अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे, जिन्हें संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा यह व्यवस्था 19 जनवरी 2026 से लागू करने का निर्देश दिया गया है। इसके क्रियान्वयन से आमजनों को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी समस्याओं का समाधान तेजी एवं पारदर्शिता के साथ हो सकेगा।

बिहार के शहरी विकास के लिए उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने गुजरात के विकास मॉडल की ली जानकारी

» गुजरात के नगर विकास मंत्री कनुभाई देसाई से उप मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

» गांधीनगर में केन्द्रीय खान एवं भूतत्व मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है चिंतन शिविर

पटना। बिहार में शहरी विकास को और अधिक गति देने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री-सह-खान एवं भूतत्व मंत्री-सह-नगर विकास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को गांधीनगर में गुजरात के नगर विकास मंत्री कनुभाई मोहनलाल देसाई से मुलाकात कर विकास के गुजरात मॉडल पर विस्तृत चर्चा की। श्री सिन्हा केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय द्वारा गांधीनगर में आयोजित चिंतन शिविर में शिरकत कर रहे हैं। इस चिंतन शिविर के दौरान श्री सिन्हा ने गुजरात के विकास मॉडल को लेकर गुजरात के नगर विकास मंत्री कनुभाई मोहनलाल देसाई से विशेष मुलाकात की और उनसे शहरी क्षेत्रों के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर श्री सिन्हा ने गुजरात के नगर विकास मंत्री देसाई का अंगवस्त्र और फूलों के गुलदस्ते के साथ अभिवादन किया। इस मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री ने गुजरात के शहरों का तेजी से हो रहे विकास को लेकर कई अहम् जानकारियां हासिल की।उल्लेखनीय है कि गुजरात के गांधीनगर में केन्द्रीय खान एवं भूतत्व मंत्रालय द्वारा गुरुवार को चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें खनन के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों, नवाचारों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस चिंतन शिविर में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ देश के विभिन्न राज्यों के खान एवं भूतत्व मंत्रियों के साथ खान एवं भूतत्व विभाग से जुड़े राज्यों के अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस चितन शिविर का उद्देश्य खनिज संसाधनों के सतत विकास और उनके उपयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही खनिज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, खनन को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, और डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना शामिल है।

हिजाब विवाद के 23 दिन बाद नुसरत परवीण ने ज्वाइन की नौकरी, 7 जनवरी तक बढ़ाई गई थी डेट

एजेंसी

पटना।हिजाब ववािद से चर्चा में आईं आयुष चिकत्सिक डा. नुसरत परवीन ने आखरिकार 23 दिनों बाद अपनी नौकरी ज्वाइन कर ली है। नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने जिस महिला डॉक्टर का हिजाब खींचा था, उसके बाद उस महिला डॉक्टर ने ड्यूटी ज्वाइन नहीं की थी। दरअसल जॉइनिंग की पहली डेट 20 दिसंबर तय की गई थी जिसे बढ़ाकर 31 दिसंबर किया गया। इसके बावजूद भी जब नुसरत परवीण ने जॉइनिंग नहीं की तो फिर इस तारीख को 7 जनवरी तक आगे बढ़ाया गया। सूत्रों के मुताबिक आखिरी दिन नुसरत ने जॉइनिंग करके अपना कार्यभार संभाल लिया है। वह बुधवार को पहले स्वास्थ्य विभाग पहुंची। इसके बाद गर्दनीबाग स्थित सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचकर अपना योगदान दिया। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि उनकी पोस्टिंग सदर पीएचसी में की गई है। ज्वाइनिंग का 7 जनवरी को आखिरी दिन था। हिजाब विवाद के इस पूरे घटना के चर्चा में आने के बाद नुसरत को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री की ओर से 3 लाख रुपए मासिक वेतन के साथ कई सरकारी सुविधाएं देने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन डॉक्टर नुसरत ने बिहार में ही सेवा जारी रखने का फैसला लिया। दरअसल 15 जनवरी 2025 को आयुष डॉक्टर अप्वाइंटमेंट लेटर लेने के लिए जब सभी डॉक्टर इकट्ठा हुए तो उस वक्त नुसरत परवीण नकाब पहने हुए थी, जिनका नकाब नीतीश कुमार ने हटा दिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया जिसने देश भर में राजनीतिक बहस को एक नई हवा दे दी। इसके बाद तमाम तरह की अटकले लगाई जा रही थी, लेकिन 30 दिन बाद नुसरत परवीण ने नौकरी ज्वाइन करके इन सारी बातों पर विराम दे दिया। हालांकि इस मामले को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। साथ ही साथ विपक्ष को भी निशाना साधने का एक मुद्दा मिल गया।

बिहार में बिजली उपभोक्ताओं को झटका, 1अप्रैल 2026 से महंगी हो जाएगी बिजली

एजेंसी

पटना।बिहार चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने 125 यूनिट बिजली हर परिवार को मुफ्त देने की घोषणा की थी, लेकिन नए साल की शुरुआत होने के साथ ही अब बिहार में बिजली उपभोक्ताओं को जोरदार झटका लगा लगता नजर आ रहा है। बिहार में बिजली की गुणवत्ता और उपभोक्ता को मिलने वाली सेवा की निगरानी अब सीधे सीएम सचिवालय से होगी। बिहार विद्युत विनियामक बोर्ड की जन सुनवाई में एक बहुत बड़ा फैसला लिया गया और तय किया गया कि सभी श्रेणियां में 35 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाए जाएंगे। हालांकि अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी, जिसमें सप्लाई और सुविधा सेवा की निगरानी पर भी जोड़ दिया जाएगा। अगले वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से नई बिजली दरें बिहार में तय होगी। दरअसल नई बिजली दर का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। मौजूदा समय में सरकार की तरफ से जो 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाती है, उसके बाद जो अतिरिक्त यूनिट का इस्तेमाल होता है उस पर 35 पैसे प्रति यूनिट अतिरिक्त चार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो आम लोगों की जेब पर इसका सीधा असर पड़ेगा। साथ ही साथ शहरी उपभोक्ताओं को भी राहत मिल सकती है। इतना ही नहीं छोटे दुकानदारों पर फिक्स चार्ज में 50 रूपये कम करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। हालांकि यूनिट दर बढ़ाने के बाद कुल बिल पर इसका असर किस प्रकार रहेगा, यह टैरिफ मंजूरी के बाद ही पता चलेगा। आपको बता दें कि साउथ और नॉर्थ बिहार डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने शहरी इलाकों में दो स्लैब को एक करने का प्रस्ताव रखा है। अगर यह मंजूरी मिलती है तो 7.7 रुपए प्रति यूनिट की दर लागू होग। यानी कि शहरी उपभोक्ताओं को 125 यूनिट फ्री बिजली के बाद हर यूनिट पर 1.18 रुपए की राहत मिल सकती है। साफ तौर पर यह देखा जा सकता है कि शहरी उपभोक्ताओं को खुश करने के लिए और शहरी वोट बैंक को साधने की कोशिश के लिए सरकार ने यह बड़ा दांव खेला है।

पारिवारिक कलह के बीच तेजप्रताप यादव ने दही-चूड़ा भोज के नाम पर खेला बड़ा सियासी दांव

एजेंसी

पटना।राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव हर साल मकर संक्रांति के अवसर पर भोज का आयोजन किया करते थे, जिसमें बड़े-बड़े नेता नजर आते थे। इससे संबंधों में मधुरता और राजनीतिक मेलजोल नजर आती थी। अब इसी परंपरा को उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव जो की जनशक्ति जनता दल के प्रमुख है वह आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। इस भोज की सबसे खास बात यह है कि इस बार चूड़ा दही भोज के नाम पर तेज प्रताप यादव बड़ा सियासी दांव खेलना चाहते हैं। खासकर ऐसी स्थिति में जब उन्हें अपने परिवार और पार्टी से अलग कर दिया गया है। तेज प्रताप यादव के इस आमंत्रण के कई मायने निकाले जा रहे हैं। एक तरफ उनके भाई के साथ की दूरी सार्वजनिक रूप से उजागर हो गई है, वहीं दूसरी ओर भाजपा और एनडीए के अन्य घटक दलों के नेताओं से उनकी नजदीकी जग जाहिर है। ऐसे में यह चूड़ा दही का भोज महज एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं बल्कि बिहार की सियासत में एक नई समीकरण का संकेत हो सकता है। आरजेडी से निकल जाने के बाद यह तेज प्रताप की पहली पार्टी है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज प्रताप यादव के इस दही चूड़ा भोज में आखिर कौन सी राजनीतिक खिचड़ी पकती है। तेज प्रताप यादव ने 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर जनशक्ति जनता दल की तरफ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को आमंत्रण भेजा है। सबसे खास बात यह है कि उन्होंने अपने पिता लालू प्रसाद यादव और छोटे भाई नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भी औपचारिक रूप से निमंत्रण दिया है। इसके अलावा चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को भी निमंत्रण देने की बात कही जा रही है।

तकनीकी और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव, अगले पांच वर्षों में बिहार प्रस्तुत करेगा विकास का नया तस्वीरः वित्त मंत्री

एजेंसी

पटना।बिहार कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, तकनीक, कम्युनिकेशन, उद्योग आदि क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले पांच सालों में सफलताओं को समेकित कर एक प्लेटफॉर्म पर लाने की जरूरत है ताकि विकसित बिहार का नया तस्वीर पूरे देश के सामने प्रस्तुत हो सके। यह बात गुरुवार को माननीय वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने वर्ष 2026-27 के बजट से पूर्व आयोजित बैठक में कही। यह बैठक पुराना सचिवालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी और इसकी अक्ष्यक्षता खुद वित्त मंत्री ने किया । उनके साथ कृषि मंत्री राम कृपाल यादव और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर भी मौजूद रहे। सुबह 11 बजे से शुरू बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, सूचना, विज्ञान एवं प्रवैधिकी, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं पर्यटन, करारोपण, वानिकी एवं पर्यावरणीय संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण आदि प्रक्षेत्र के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल रहे। इस बैठक में अधिकारी और प्रतिनिधियों ने आगामी बजट को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। मुख्य रूप से प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक करने, ए - आई बेस्ड शोध को बढ़ावा देने, आईटी हब विकसित करने, स्टार्टअप को बढ़ावा देने, ई-वेस्ट पॉलिसी को बढ़ावा देने, फायर मैनेजमेंट से संबंधित, झील शोध संस्थान संबंधित, बिहार के कलाकारों को उचित मानदेय देने जैसे सुझाव प्राप्त हुए, जिसपर माननीय मंत्री ने विचार करने का आश्वासन दिया । कृषि क्षेत्र में आम की खेती करने वाले किसानों की फसल की ब्रांडिग, बाजार उपलब्ध कराने, पान की खेती के लिए पटना में मंडी और आपदा में नुकसान होने पर उचित मुआवजा दिलाने का सुझाव सामने आने पर माननीय कृषि मंत्री श्री राम कृपाल यादव ने अग्रतः कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। मुख्य रुप से कृषि बाजारों का अत्याधुनिकीकरण, दलहन और तिलहन फसलों के उत्पादन का लक्ष्य बढ़ाने और फल, सब्जी की सुरक्षा के लिए राज्य भर में शीतगृह बनाने के भी प्रस्ताव रखे गए । वित्त मंत्री ने करदाताओं को बताया कि राज्य में हाइवे, रेल, हवाई अड्डा, तकनीक और उद्योग आदि की स्थापना की वजह से हम नई अर्थव्यवस्था में पहुंच चुके हैं। भविष्य में नए बिहार का निर्माण और रोजगार की संभावना तैयार करना ही सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। बैठक में परिवहन, पर्यटन, प्रदूषण, निर्माण, खेलकूद, वानिकी आदि क्षेत्रों में हासिल हुई उपलब्धि, समस्या और उनके समाधान को लेकर प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार साझा किए। इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी और अलग-अलग एसोसिएशन के सदस्य, पदाधिकारी मौजूद रहे। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर ने बैठक में शामिल संस्था और संगठनों के प्रतिनिधियों से ईमेल या दूसरे माध्यमों से सुझाव भेजने की अपील की। बैठक के अंत में वित्त मंत्री ने बैठक का समापन किया ।

10 से 25 फरवरी तक पूरे बिहार में मनरेगा बचाओ संग्रामअभियान की तहत होगा आंदोलन : राजेश

एजेंसी

» मनरेगा बचाओ संग्रामह को लेकर सदाकत आश्रम में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

पटना।केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए वीबी-जीराम-जी अधिनियम के दुष्प्रभावों के विरुद्ध तथा मनरेगा की वैधानिक गारंटी की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन मनरेगा बचाओ संग्राम को सफल बनाने के उद्देश्य से आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। बैठक में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की रणनीति, जिला-वार जिम्मेदारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया बीबी जी राम जी अधिनियम मनरेगा की मूल भावना पर सीधा हमला है। यह कानून गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण जनता के रोजगार के अधिकार को कमजोर करने वाला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब परिवारों की आजीविका की वैधानिक गारंटी है, जिसे किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मनरेगा विरोधी नीति के खिलाफ पूरे प्रदेश में जन-जन को जागरूक करेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव, पंचायत-पंचायत जाकर केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने रखेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि काम के अधिकार और सम्मानजनक आजीविका की गारंटी है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वीबी-जीराम-जी विधेयक मनरेगा की आत्मा को कमजोर करने वाला, संघीय ढांचे पर प्रहार करने वाला और गरीब-मजदूर विरोधी कदम है। इसके दुष्परिणाम ग्रामीण रोजगार, मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और पंचायती राज व्यवस्था पर पड़ेंगे।इसी के विरोध में कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में मनरेगा बचाओ संग्राम का व्यापक, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक अभियान 10 जनवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक चलाएगी। इस संघर्ष का उद्देश्य केंद्र सरकार को उसकी जिम्मेदारी याद दिलाना, राज्यों पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ को उजागर करना और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल कराना है। 10 जनवरी को जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ अभियान का औपचारिक शुभारंभ होगा। 11 जनवरी को एक दिवसीय उपवास और प्रतीकात्मक विरोध के माध्यम से अहिंसा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता व्यक्त की जाएगी। बैठक में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा मदन मोहन झा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम, डा शकील अहमद खां, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, अवधेश कुमार सिंह, पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, विधान पार्षद डा समीर कुमार सिंह, विधायक आबिदुर रहमान, मनोहर प्रसाद सिंह मनोज विश्वास, मो कमरूल होदा, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, राजेश राठौड़, रौशन कुमार सिंह, ब्रजेश प्रसाद मुनन, अजय कुमार सिंह, विश्वनाथ राम, सहित पार्टी के जिला अध्यक्षों, पूर्व विधायक, वरिष्ठ कांग्रेसजन , जिला पर्यवेक्षकों , विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण मौजूद थे।

बिहार की समृद्धि और लोगों की खुशहाली एनडीए सरकार का लक्ष्यः नंदकिशोर

एजेंसी

» मुख्यमंत्री की पहल से लंबित मामलों के निबटारे में आयेगी तेजी

पटना।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा जारी आदेश कि सभी सरकारी अधिकारी हर सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय कक्ष में मौजूद रहकर आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे, को जनहित के लिए बड़ी पहल बताया और कहा कि एनडीए सरकार के इस फैसले का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। लंबित मामलों का तेजी से निबटारा होगा और आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने नहीं पड़ेंगे। श्री यादव ने गुरुवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री के इस फैसले से लोगों का जीवन आसान होगा। लोग सीधे अपनी समस्या और शिकायतों को संबंधित अधिकारी के सामने रख सकेंगे। इसमें अब कहीं किसी बिचौलिए के लिए जगह नहीं होगी। श्री यादव ने कहा कि सात निश्चय-3 एक तरह से लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की हैट्रिक है। पहले सात निश्चय-1 और सात निश्चय-2 के जरिए सरकार ने लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा किया है। सात निश्चय-3 से लोगों के जीवन स्तर में और सुधार होगा। श्री यादव ने कहा की बिहार समृद्धि की राह पर सतत् गतिशील रहे और लोग खुशहाल हों, यही एनडीए सरकार का लक्ष्य है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, 100 रेलवे अधिकारियों को 70 वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ज़ोन को 26 शील्ड प्रदान करेंगे

एजेंसी

पटना।भारतीय रेलवे संगठन में अपनी अनुकरणीय सेवा और उत्कृष्ट योगदान के लिए 100 समर्पित कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने जा रहा है। पुरस्कार समारोह 9 जनवरी, 2026 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। रेलवे, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव, चयनित रेलवे कर्मियों को 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस समारोह में रेलवे और जल शक्ति राज्य मंत्री, वी. सोमन्ना, रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ, सतीश कुमार, साथ ही रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न रेलवे ज़ोन और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 के लिए कुल 100 पुरस्कार विजेताओं का चयन किया गया है, जिसमें नवाचार, परिचालन दक्षता, सुरक्षा, राजस्व वृद्धि, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, खेल में उत्कृष्टता और सेवा के अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में योगदान की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को नए नवाचारों, प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली को शुरू करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे उत्पादकता में सुधार, खर्च में कमी, आयात प्रतिस्थापन और संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग होगा, जिससे भारतीय रेलवे के भीतर समग्र दक्षता मजबूत होगी। 22 रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना किए गए सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप जीवन और रेलवे संपत्ति की रक्षा हुई, और सार्वजनिक सेवा के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण का उदाहरण पेश किया। 14 अधिकारियों और कर्मचारियों को रेलवे की कमाई बढ़ाने और बिना टिकट यात्रा, चोरी और दूसरी गलत हरकतों से प्रभावी ढंग से निपटने में उनके खास योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और राजस्व सुरक्षित रहेगा। 19 कर्मचारियों और अधिकारियों को ऑपरेशन में सुधार, सुरक्षा और संरक्षा बढ़ाने, बेहतर रखरखाव प्रथाओं को सुनिश्चित करने और रेलवे की संपत्तियों के बेहतर उपयोग और सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। 16 अधिकारियों और कर्मचारियों को रिकॉर्ड समय में महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे बुनियादी ढांचे के विस्तार, क्षमता वृद्धि और बेहतर परिचालन प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। 10 अधिकारियों और कर्मचारियों को परिभाषित श्रेणियों से परे क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा, जो भारतीय रेलवे के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में व्यावसायिक उत्कृष्टता, समर्पण और प्रभावशाली योगदान को दर्शाता है। 2 खिलाड़ियों को, जिन्होंने खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान हासिल की है और भारतीय रेलवे का नाम रोशन किया है, उन्हें भी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया जाएगा। व्यक्तिगत सम्मान के अलावा, विभिन्न श्रेणियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले रेलवे ज़ोन को 26 शील्ड प्रदान की जाएंगी, जो उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और समग्र उत्कृष्टता को स्वीकार करती हैं। पुरस्कार पाने वालों में वे कर्मी शामिल हैं जिन्होंने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षित और निर्बाध रेलवे संचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुरस्कार पाने वालों में वे अधिकारी भी शामिल हैं जिनके ऑपरेशन सिंदूर के दौरान योगदान ने कठिन परिस्थितियों में निर्बाध रेलवे संचालन और सार्वजनिक राहत सुनिश्चित की, साथ ही वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने कठिन खंडों में उन्नत बैलास्ट क्लीनिंग मशीनों की शुरुआत की, जिससे ट्रैक सुरक्षा, सवारी की गुणवत्ता और दीर्घकालिक रखरखाव दक्षता में काफी सुधार हुआ। पुरस्कार समारोह समर्पण, व्यावसायिकता और अनुकरणीय सेवा को पहचानने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जबकि एक सुरक्षित, अधिक कुशल और यात्री-केंद्रित रेल प्रणाली के निर्माण में अपने कार्यबल के सामूहिक प्रयासों का जश्न मनाता है।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस, पलंग के नीचे से देशी कट्टा बरामद, पति गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया मुफस्सिल थाना क्षेत्र में ईआरवी-112 पर प्राप्त घरेलू विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ईआरवी-112 कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट कर रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए ईआरवी-112 की टीम सूचिका द्वारा बताए गए पते पर पहुंची। मौके पर सूचिका ने पुलिस को बताया कि उसके पति ने घर में पलंग के नीचे एक देशी कट्टा छुपा कर रखा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने विधिवत तलाशी ली, जिसमें पलंग के नीचे से एक देशी कट्टा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने रमेश पासवान, पिता स्वर्गीय शंकर पासवान, निवासी माहनागनी वार्ड संख्या-12, थाना बेतिया मुफस्सिल, जिला पश्चिमी चम्पारण को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि बरामद हथियार को जब्त कर पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

हाई कोर्ट के आदेश पर पूर्व सैनिक को जमीन पर दिलाया गया दखल-कब्जा

बीएनएम @ हरसिद्धि। पटना हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में गुरुवार को हरसिद्धि अंचल प्रशासन ने प्रखंड क्षेत्र के सेवरहा गांव में पूर्व सैनिक मोहन सिंह को उनकी 69 डिसमिल जमीन पर दखल-कब्जा दिलाया। कार्रवाई के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले से भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। हरसिद्धि थाना के दरोगा सुधीर तिवारी के सहयोग से जमीन की चारों ओर कंटीले तार से घेराबंदी कर पूर्व सैनिक को विधिवत कब्जा सौंपा गया। अंचलाधिकारी ने बताया कि पूर्व सैनिक मोहन सिंह को सैनिक कल्याण योजना के तहत खेती के उद्देश्य से 69 डिसमिल भूमि की बंदोबस्ती की गई थी। आरोप है कि गांव के ही संतोष सिंह उर्फ परजित सिंह, योगेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह, गुड्डू सिंह, हजारी सिंह, अरविंद सिंह, राजेश्वर सिंह समेत अन्य लोगों द्वारा उन्हें जमीन से बेदखल कर दिया गया था। मामले को लेकर पूर्व सैनिक ने पटना हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट आदेश जारी करते हुए प्रशासन को जमीन पर पूर्व सैनिक को दखल-कब्जा दिलाने का निर्देश दिया। आदेश के अनुपालन में अंचल प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई पूरी कराई।

ई-केवाईसी नहीं कराने पर कटेगा नाम, उपभोक्ताओं को दी गई अंतिम चेतावनी

बीएनएम @ रक्सौल। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, पटना द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ई-केवाईसी की समीक्षा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लाभुकों द्वारा अब तक ई-केवाईसी नहीं कराए जाने की जानकारी सामने आई। समीक्षा बैठक के बाद अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, रक्सौल तथा अनुमंडल अंतर्गत सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को सख्त और स्पष्ट निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सभी राशन कार्डधारकों का ई-केवाईसी कार्य तेज किया जाए। साथ ही बचे हुए लाभुकों के लिए जागरूकता अभियान चलाकर मध्य फरवरी तक शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मध्य फरवरी के बाद जिन लाभुकों का ई-केवाईसी नहीं होगा, उनके नाम राशन कार्ड से विलोपित करने अथवा खाद्यान्न आपूर्ति रोकने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस संबंध में आम जनता से अपील की गई है कि जिन लाभुकों का ई-केवाईसी अभी तक नहीं हुआ है, वे शीघ्र अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

शराब पीने के एक आरोपी व वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर शराब पीने के आरोप में एक अभियुक्त तथा एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों की पहचान विपिन कुमार और हीर रांझा महतो के रूप में हुई है। दोनों मनु महतो के पुत्र बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हीर रांझा महतो के विरुद्ध पूर्व से न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत था। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके बाद हरसिद्धि थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनबरसा पंचायत में छापेमारी की और दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में परिक्षयमान डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान एक अभियुक्त को शराब पीने के आरोप में तथा दूसरे को वारंटी होने के कारण गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भाग-2: विपिन अग्रवाल की शहादत के बाद भी नहीं रुका हरसिद्धि में अतिक्रमण

प्रशासनिक उपेक्षा के कारण अतिक्रमण बदस्तूर जारी

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज मिरर

" आज हरसिद्धि में सवाल यही है कि जब एक आरटीआई कार्यकर्ता की शहादत और उसके बेटे की मौत भी अतिक्रमण को नहीं रोक सकी, तो आम नागरिक की आवाज कौन सुनेगा। स्थानीय लोग इस पूरे मामले के लिए स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियो, भूमाफियाओं और सफेदपोशों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। जनता मांग कर रही है कि अतिक्रमण को हरसिद्धि का मुख्य मुद्दा मानते हुए स्थायी और निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की पहचान, सरकारी जमीन और जनहित की रक्षा हो सके। "

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि प्रखंड में अतिक्रमण आज भी एक ज्वलंत और अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है। वर्षों से जारी अवैध कब्जों ने जहां इलाके की पहचान और जनजीवन को प्रभावित किया है, वहीं इस अतिक्रमण के खिलाफ संघर्ष करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता विपिन अग्रवाल की शहादत के बाद भी हालात में कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आता। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह साबित करता है कि व्यवस्था अब भी गंभीरता से कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। 24 सितंबर 2021 को हरसिद्धि प्रखंड कार्यालय गेट के पास दिनदहाड़े विपिन अग्रवाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे हरसिद्धि ब्लॉक बाजार क्षेत्र की लगभग 8 एकड़ कीमती सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। सूचना के अधिकार के तहत दस्तावेज जुटाकर उन्होंने पटना हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की थीं। कोर्ट के आदेश पर कई अवैध मकान, दुकानें और एक पेट्रोल पंप को सील किया गया था। इसके बावजूद,

अतिक्रमण पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका और समय के साथ यह फिर फैलता गया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि विपिन अग्रवाल की हत्या के बाद भी अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासनिक इच्छाशक्ति कमजोर रही। मंगलवारी बाजार, मुख्य पथ और ऐतिहासिक हरसिद्धि मन क्षेत्र में आज भी अवैध कब्जे देखे जा सकते हैं। सड़कों पर अतिक्रमण के कारण जाम आम बात हो गई है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और एम्बुलेंस तक को परेशानी झेलनी पड़ती है। परिजनों के अनुसार, हत्या से एक वर्ष पहले 2020 में विपिन अग्रवाल के घर पर हमला भी हुआ था। उस समय स्थानीय अधिकारियों से लेकर वरीय पुलिस अधिकारियों तक सुरक्षा की गुहार लगाई गई, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते प्रशासन सख्ती दिखाता, तो न केवल हत्या रोकी जा सकती थी, बल्कि अतिक्रमण माफियाओं पर भी लगाम लगती। विपिन अग्रवाल की हत्या के बाद न्याय की प्रतीक्षा में परिवार पूरी तरह टूट गया। इस पीड़ा की पराकाष्ठा 24 मार्च 2022 को तब सामने आई, जब उनके 14 वर्षीय पुत्र रोहित ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि रोहित लगातार यह कहता रहा कि उसके पिता की हत्या में प्रभावशाली लोग शामिल हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। आज हरसिद्धि में सवाल यही है कि जब एक आरटीआई कार्यकर्ता की शहादत और उसके बेटे की मौत भी अतिक्रमण को नहीं रोक सकी, तो आम नागरिक की आवाज कौन सुनेगा। स्थानीय लोग इस पूरे मामले के लिए स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और प्रभावशाली सफेदपोशों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। जनता मांग कर रही है कि अतिक्रमण को हरसिद्धि का मुख्य मुद्दा मानते हुए स्थायी और निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की पहचान, सरकारी जमीन और जनहित की रक्षा हो सके। **क्रमशः...।**

बेतिया में सुरक्षा व्यवस्था की परख, मॉक ड्रिल में पुलिस की त्वरित कार्रवाई

बीएनएम @ बेतिया

शहरी एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी चम्पारण बेतिया के निर्देशन में बेतिया पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना गश्ती के साथ-साथ विशेष मोटरसाइकिल गश्ती तथा सुप्रिया रोड क्षेत्र में लागू विशेष सुरक्षा योजना की प्रभावशीलता की जांच की गई। मॉक ड्रिल के तहत अपराह्न 04:38 बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1 बेतिया द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष को एक छद्म लूट की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नगर थाना की गश्ती दल सक्रिय हुई और मात्र 6 मिनट में, समय 04:44 बजे घटनास्थल पर पहुंच गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 12 मिनट के भीतर मनुआपुल पथ पर छद्म अपराधकर्मियों को धर-दबोचा। मॉक ड्रिल में बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुरस्कृत किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से बेतिया पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस तैयार है।

कैथवलिया में निर्माणाधीन विराट रामायण परिसर का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया भ्रमण

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला के कल्याणपुर प्रखंड स्थित कैथवलिया में निर्माणाधीन विराट रामायण परिसर में आगामी 17 जनवरी को स्थापित होने वाले सहस्त्रलिंगम के अवसर पर आयोजित किए जा रहे भव्य कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा सुरक्षा मानकों सहित विधि-व्यवस्था का संपूर्ण परिसर में भ्रमण कर जायजा लिया गया एवं समीक्षा की गई तथा इस संबंध में स्थानीय प्रशासन को सभी जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में दूर-दूर से श्रद्धालुगण आएंगे जिनको दर्शन में कोई असुविधा नहीं हो इसका ध्यान रखा जाए। स्थानीय प्रशासन को भीड़ नियंत्रण एवं सुगम यातायात की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पार्किंग व्यवस्था के लिए स्थल चिन्हित करने का निर्देश देते हुए वहां पर फ्लेक्स लगा देने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान वहां उपस्थित आम नागरिकों से भी फीडबैक लिया। भ्रमण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चकिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी कल्याणपुर,थाना प्रभारी कल्याणपुर सहित प्रोजेक्ट अभियंता भी उपस्थित थे।

वर्दी पर दागः पताही थाने के दरोगा पर उगाही का आरोप, मोतिहारी एसपी बोले—'जाँच जारी, दोषी बचेगा नहीं'

सागर सूरज

बीएनएम @ मोतिहारी । वर्दी पर भरोसे के बीच एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में है।

जिले के पताही थाना से जुडा एक ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

इस ऑडियो में अनुसंधानकर्ता दरोगा पंकज कुमार पर एक विवादित जमीन मामले में लाखों रुपये की अवैध उगाही के आरोप लगे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, केस नंबर 157/24 और 158/24 से जुड़े टाइटल सूट वाली जमीन पर जबरन कब्जे और मारपीट की जांच इस दरोगा के जिम्मे थी।

इसी दौरान दरोगा द्वारा पक्षकारों से बार-बार पैसे की मांग किए जाने का आरोप सामने आया है।

पांच ऑडियो क्लिप में दरोगा की बातचीत वायरल हुई है, जिसमें वह कभी धमकी देता है, तो कभी पैसे देने के तरीके सुझाते हुए डराने की कोशिश करता है।

पहले ऑडियो में पाँच हजार रुपये की पहली किस्त को लेकर बहानेबाजी की बात सामने आती है, वहीं दूसरे में सुबह थाने बुलाकर दूसरी किस्त माँगी गई है।

तीसरे ऑडियो में दरोगा अभियुक्तों को बचाने का भरोसा देकर पैसे लेने की बात करता है।

चौथे ऑडियो में वरीय अधिकारियों से शिकायत पर वह नाराज़ होता दिखता है, लेकिन तुरंत बाद दोनों पक्षों की "मदद" के नाम पर फिर रकम माँगता है।

सबसे चौंकाने वाला पाँचवाँ ऑडियो है, जिसमें दरोगा टाइटल सूट के बावजूद जमीन नापी कराने और फँसाने की

धमकी देता सुना जा रहा है।

इस दौरान अभियुक्त की ओर से भी दरोगा को पलटकर धमकी दी जाती है, जिससे विभागीय अनुशासन और सिस्टम की साख दोनों पर सवाल उठते हैं।

इस पूरे मामले को लेकर मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बीएनएम से कहा, "वायरल ऑडियो की जाँच कराई जा रही है। दोषी कोई भी हो, बच नहीं पाएगा। ऑडियो क्लिप्स को एनालाइज किया जा रहा है। पुलिस की छवि से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।"

एसपी प्रभात का यह बयान जिले में पुलिस छवि को लेकर उम्मीद जगाता है। उन्होंने साफ किया कि शासन और नेतृत्व भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेगा।ग्रामीण क्षेत्र में जहाँ आम लोग पहले ही न्याय के लिए थाने का रुख करने से कतराते हैं, वहाँ ऐसे मामले पुलिस की साख को और कमजोर करते हैं। सवाल यह है—क्या कार्रवाई सिर्फ जांच तक सीमित रहेगी या आरोपी दरोगा पर विभागीय चोट भी पड़ेगी?

इस बीच, बीएनएम मामले की निगरानी कर रहा है और जनता के हित में इसे आगे भी उठाता रहेगा।

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ डुमरियाघाट में उबाल, ट्रंप का पुतला दहन

बीएनएम @ डुमरियाघाट

वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को कथित रूप से अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर बंदी बनाए जाने के विरोध में गुरुवार को केसरिया प्रखंड क्षेत्र में जोरदार आक्रोश देखने को मिला। इसको लेकर डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के उत्तरी हुसैनी बाजार में कम्युनिस्ट नेता बुनियाल दास के नेतृत्व में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन के दौरान वामपंथी नेताओं ने अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और किसी भी देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताया। कम्युनिस्ट नेता बुनियाल दास ने कहा कि वेनेजुएला के खिलाफ की जा रही यह कार्रवाई महज एक बहाना है, जबकि असली मंशा वहां मौजूद तेल और सोने के विशाल भंडार पर कब्जा जमाने की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका पहले भी कोलंबिया और उत्तर कोरिया जैसे देशों के खिलाफ इसी तरह की नीतियां अपना चुका है। उत्तर कोरिया के मामले में अमेरिकी दबाव नीति विफल रही और मिसाइल जवाब के बाद अमेरिका को पीछे हटना पड़ा।

ट्रंप को दी चेतावनी

:–कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे केसरिया लोकल कमेटी के मंत्री बुनीलाल दास ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे अपने आक्रामक रवैये से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह की सैन्य दखलअंदाजी जारी रही तो इसके परिणाम अमेरिका के लिए गंभीर और दूरगामी होंगे। इस विरोध प्रदर्शन

में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की अगुवाई में पांच वामपंथी दलों ने संयुक्त रूप से भाग लिया और एक स्वर में अमेरिकी कार्रवाई की निंदा की। नेताओं ने कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुतला दहन के दौरान अमेरिका विरोधी नारे लगाए गए और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने की मांग की गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

एमजीसीयू मोतिहारी में इग्नू अध्ययन केंद्र की हुई शुरुआत, 18 कोर्स हुए प्रारंभ

» हिंदी विभाग के डॉ. श्याम नंदन को केंद्र का समन्वयक बनाया गया

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की विधिवत शुरुआत के लिए अनुमोदन मिल गया है। इस पहल से पूर्वी चंपारण सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उनकी पहुंच और सुदृढ़ होगी। इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। उनके मार्गदर्शन, सहयोग और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण एमजीसीयू परिसर में इग्नू अध्ययन केंद्र की स्थापना संभव हो सकी, जिससे विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इग्नू अध्ययन केंद्र के सुचारु संचालन के लिए डॉ. श्याम नंदन ,

जो कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं,उन्हें इग्नू का समन्वयक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से नामांकन प्रक्रिया, शैक्षणिक समन्वय, अध्ययन सामग्री वितरण तथा विद्यार्थियों से जुड़ी सभी अकादमिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। डॉ. श्याम नंदन की नियुक्ति के साथ ही इग्नू अध्ययन केंद्र की शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिली है। इसी क्रम में जानकारी के अनुसार, एमजीसीयू मोतिहारी में इग्नू के कुल 18 पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है। स्नातक स्तर पर कला (बहुविषयक), वाणिज्य, तथा कला स्नातक ऑनर्स अंतर्गत राजनीति विज्ञान, अंग्रेज़ी, इतिहास, हिंदी और संस्कृत विषयों में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी (वर्नाक्युलर), हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेज़ी, समाजशास्त्र, संस्कृत एवं वाणिज्य विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रबंधन, अनुवाद तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित व्यावसायिक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की भी शुरुआत की गई है। शिक्षाविदों, छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में शैक्षणिक वातावरण को नई दिशा मिलेगी तथा उच्च शिक्षा आम विद्यार्थियों की पहुंच में आएगी। एमजीसीयू मोतिहारी में इग्नू पाठ्यक्रमों की शुरुआत को पूर्वी बिहार के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, 349 पासपोर्ट बरामद

बीएनएम @ गोपालगंज। हथुआ थाना क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर लोगों से अवैध रूप से पैसे की वसूली करने के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में दिनांक 06.01.2026 को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध तरीके से भारी मात्रा में पासपोर्ट एकत्र कर विदेश भेजने का झांसा दिया जा रहा है तथा बिना किसी वैध अनुज्ञप्ति के सीवी तैयार किए जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हथुआ एवं थानाध्यक्ष हथुआ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान मृत्युंजय कुमार सिंह उर्फ गुड्डू, पिता रामजनक सिंह, निवासी मठिया, थाना हथुआ, जिला गोपालगंज के आवास से उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के क्रम में अभियुक्त के पास से एचपी कंपनी का एक लैपटॉप, डेल कंपनी का एक लैपटॉप, अलग-अलग नामों से निर्गत कुल 349 पासपोर्ट, एक स्क्रीन टच मोबाइल फोन तथा कई सीवी बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने विधिवत जप्त कर लिया है। पुलिस द्वारा अवैध वीजा एवं पासपोर्ट के माध्यम से विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने के आरोप में हथुआ थाना कांड संख्या 04/26, दिनांक 06.01.2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गिरफ्तार अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार वर्तमान में क्षेत्र की विधि-व्यवस्था सामान्य है। वहीं गोपालगंज जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति विदेश भेजने के नाम पर पासपोर्ट अथवा वीजा की मांग करता है तो संबंधित व्यक्ति एवं उसके वैध प्राधिकार का विधिवत सत्यापन करने के बाद ही अपने दस्तावेज या राशि सौंपें।

मधुबनी में जदयू की बैठक आयोजित

बीएनएम @ बगहाः बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुशवाहा की अध्यक्षता में पार्टी कार्यकर्ताओं और पंचायत अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्यता अभियान में तेजी लाना और प्रखंड स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करना था। प्रखंड अध्यक्ष ने सभी पंचायत अध्यक्षों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। इस अवसर पर खोतहवा पंचायत अध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार पर बल दिया। बैठक में शंभू पटेल, हीरामन बिन और पवन भारती सहित दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तकनीक बदली है, पर पत्रकारिता के नैतिक मूल्य नहीं: अरुण कु.झा

बीएनएम @ गया जीः दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में नवप्रवेशित पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित 'दीक्षारंभ' कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्री अरुण कुमार झा ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और चुनौतियों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण और विभागाध्यक्ष प्रो. के. शिव शंकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र में श्री झा ने स्पष्ट किया कि तकनीक के आने से समाचार प्रस्तुति भले ही बदल गई हो, लेकिन पत्रकारिता के तीन स्तंभ—कंटेंट (विषयवस्तु), विश्वसनीयता और मीडिया नैतिकता—आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। उन्होंने इसे किसी भी पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अपने संबोधन में श्री झा ने तथ्य-आधारित रिपोर्टिंग और पत्रकारों की सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए शोधार्थियों को 'एक्शन-बेस्ड रिसर्च' अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में पत्रकारिता का दायरा और विस्तृत होगा, जिसके लिए निरंतर अपडेट रहना और साक्ष्य-आधारित विश्लेषण करना अनिवार्य है। इससे पूर्व, प्रो. के. शिव शंकर ने स्वागत भाषण में कहा कि ऐसे सत्रों से अकादमिक शिक्षा और पेशेवर जगत के बीच की दूरी कम होती है। कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक, तकनीकी सहायक और पीआरओ मोहम्मद मुदस्सिर आलम सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें मीडिया के व्यावहारिक और नैतिक आयामों को समझने का सार्थक अवसर भी मिला।

21वीं सदी के ग्रामीण डाक सेवकः जेन-जी की नई सोच

बीएनएम @ गया जीः गया प्रमंडल के पश्चिमी अनुमंडल में आज एक अनूठी और आधुनिक सोच वाली बैठक आयोजित की गई, जिसमें 'जेन-जी' (Gen-Z) पीढ़ी के नवनियुक्त ग्रामीण डाक सेवकों ने हिस्सा लिया। वरीय डाक अधीक्षक अंशुमान सर की अध्यक्षता और डाक निरीक्षक पिंटू कुमार की उपस्थिति में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य डाक सेवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। 21वीं सदी के ये युवा डाक सेवक, तकनीक में अपनी दक्षता और नवाचार (Innovation) के साथ विभाग में सकारात्मक बदलाव के प्रतीक बनकर उभर रहे हैं।बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि जेन-जी शाखा डाकपाल डिजिटल तकनीकों, जैसे पेपरलेस लेनदेन, मोबाइल ऐप और डिजिटल भुगतान को अपनाने में बेहद सहज हैं। उनकी यह क्षमता डाक सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाएगी। ये युवा न केवल ई-कॉमर्स और डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देंगे, बल्कि सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों को सरकारी योजनाओं से बेहतर तरीके से जोड़ेंगे। भविष्य में इन ऊर्जावान युवाओं से डाकघरों को 'स्मार्ट सेवा केंद्रों' में बदलने की उम्मीद है, जहाँ तकनीक और भरोसे का अनूठा संतुलन होगा। उनकी यह नई सोच और सामाजिक जागरूकता ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

कड़ाके की ठंड में गरीबों को मिला कंबलों का सहारा

बीएनएम @ बैरियाः पश्चिमी चंपारण के बैरिया प्रखंड अंतर्गत जगीराहा गांव में कड़ाके की ठंड को देखते हुए समाजसेवी प्रभु साह के नेतृत्व में एक सराहनीय पहल की गई। इस सेवा कार्य के तहत गांव के पांच दर्जन से अधिक गरीब, असहाय और बुजुर्गों के बीच कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि वितरण की शुरुआत प्रभु साह की 98 वर्षीय माता लक्ष्मीना देवी के हाथों कराई गई, जिनकी सेवा भावना देख ग्रामीण भावुक हो उठे। कंबल पाकर जरूरतमंदों, विशेषकर विधवा महिलाओं और बुजुर्गों के चेहरों पर राहत और खुशी की लहर दौड़ गई।वर्ष 1998 से निरंतर समाज सेवा में सक्रिय प्रभु साह ने इस अवसर पर कहा कि गरीबों की सेवा ही उनके जीवन का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे भी आगे आकर थोड़ी-थोड़ी मदद करें, ताकि भीषण शीतलहर में कोई असहाय न रहे। कार्यक्रम के दौरान रोहित महतो, प्रकाश पासवान और रामानन्द महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। यह पहल न केवल ठंड से राहत प्रदान करने वाली रही, बल्कि समाज में एकजुटता और करुणा का संदेश भी दे गई।

सेमरा थाना के दारोगा का असामयिक अंत

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिला के सेमरा थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर अजय कुमार पाण्डेय का ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) से दुखद निधन हो गया। पूर्णिया जिले के मूल निवासी अजय कुमार पाण्डेय नियमित ड्यूटी पर थे, तभी अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ। थाना में मौजूद सहकर्मी उन्हें तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बगहा ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर संजय कुमार गुप्ता के अनुसार, अस्पताल पहुँचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

18 साल की नाकामीः अधूरे डुमरियाघाट पुल पर टोल जारी, जान खतरे में, जनता ने उठाई सवालों की झड़ी

बीएनएम @ डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह

गंडक (नारायणी) नदी पर नेशनल हाइवे–27 के डुमरियाघाट नया पुल का निर्माण 18 साल बाद भी अधूरा है। फाइलों, ठेकेदारों और विभागीय लापरवाही में उलझी इस योजना पर अब तक करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन पुल का काम बार-बार बाधित होकर रुक जाता है। वर्षों से जर्जर पुराने पुल पर रोज़ाना 10–12 हजार वाहन गुजर रहे हैं, जिससे लोगों की जान हर पल जोखिम में है। स्थानीय व्यवसायी शिवानंद गिरी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि "पूर्वी चंपारण और गोपालगंज के जनप्रतिनिधियों को इस पुल की कोई चिंता नहीं है। अगर वाकई दिलचस्पी होती, तो यह पुल कब का बन चुका होता। सरकार को जल्द से जल्द नया पुल तैयार कराना चाहिए। "व्यवसायी शक्तिभूषण सिंह ने कहा कि "पुराने पुल की हालत बेहद खतरनाक है, यह कब ध्वस्त हो जाए कहा नहीं जा सकता। अब वक्त है कि सरकार फोरलेन सड़क की तर्ज पर फोरलेन पुल बनाए। "ग्रामीण संजय सिंह ने कहा कि "डुमरियाघाट की स्थिति बदतर है, सरकार को चेतना चाहिए और जल्द से जल्द नए फोरलेन पुल का निर्माण कराना चाहिए।"स्थानीय शिक्षक विकास सिंह ने कहा कि "जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण यह परियोजना अधूरी है। अगर पुल टूट गया तो अरबों का नुकसान होगा और व्यापार ठप पड़ जाएगा। जब पुल ही अधूरा है तो टोल टैक्स लेना बंद होना चाहिए, क्योंकि लोग खतरे में सफर कर रहे हैं। "समाजसेवी प्रदीप गिरी ने इसे "देश की लाइफलाइन" बताते हुए कहा कि "इस पुल को केंद्र सरकार को प्राथमिकता देनी चाहिए और जल्द से जल्द बनवाना चाहिए। "अब केंद्रीय मंत्रालय ने प्रस्ताव रखा है कि पुल कंक्रीट की बजाय स्टील स्ट्रक्चर से बनाया जाएगा, जिसके लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। जनता को उम्मीद है कि इस बार वादे नहीं, सचमुच पुल बनेगा और डुमरियाघाट को राहत मिलेगी।

स्थानीय व्यवसाई शक्तिभूषण सिंह ने बताया कि पुराना पुल कब ध्वस्त हो जाएगा कहा नही जा सकता। सरकार को समय रहते सचेत हो जाना चाहिए और जल्द से जल्द इस फोर लेन सड़क पर फोर लेन का पुल बनवा देना चाहिए।

डुमरियाघाट पुल को लेकर समाजसेवी प्रदीप गिरी ने कहा कि यह पुल देश की लाइफ लाइन है। सरकार को इस पर यथाशीघ्र ध्यान देकर जल्द से जल्द बनवाना चाहिए।

शिक्षक विकास सिंह ने बताया कि पूर्वी चंपारण और गोपालगंज जिले के जनप्रतिनिधि इस पुल के प्रति काफी लापरवाह है। यदि पुल ध्वस्त हो जाता है तो हजारों अरबों रूपये का नुकसान होगा और व्यवसाय प्रभावित होगा। इस लिए सरकार को जल्द से जल्द निर्माण कराना चाहिए। जब इस मार्ग पर पुल निर्माण हुआ नहीं तो सरकार को टॉल टैक्स नहीं लेना चाहिए। क्योंकि लोग टॉल टैक्स सड़क और पुल से सुखद यात्रा करने के लिए देते है और जब यात्रा खतरे में हो तो फिर टॉल कैसा। सरकार को जल्दी फोर लेन पुल का निर्माण कराना चाहिए।

स्थानीय व्यवसाई शिवानंद गिरी ने कहा कि डुमरियाघाट पुल को लेकर पूर्वी चंपारण और गोपालगंज जिले के जनप्रतिनिधियों को कोई चिंता नहीं है। चिंता रहता हो कब का यह पुल बन चुका होता। सरकार और प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द नए पुल का निर्माण और पुराने पुल के बदले नए पुल को बनाया जाए।

स्थानीय ग्रामीण संजय सिंह ने कहा कि डुमरियाघाट का स्थिती काफी जर्जर है। सरकार सुध नहीं ले रही है। स्थानीय प्रशासन और सरकार से आग्रह है कि जल्द से जल्द इस मार्ग पर फोर लेन पुल का निर्माण करवाना चाहिए।

पशु चोरी मामले दो संदिग्ध गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में 112 पुलिस टीम ने गुरुवार की भोर करीब तीन बजे बड़ी कार्रवाई करते हुए पशु चोरी में संलिप्त दो आरोपियों को संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया। पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि कृतपुर पंचायत से दो दिन पूर्व मैनेजर यादव और लालबाबू यादव की भैंस अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में दोनों पीड़ितों ने हरसिद्धि थाना में आवेदन दिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने रात्रि गश्त बढ़ाने और सभी पंचायतों में सतर्कता के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में हरसिद्धि थाना की 112 टीम गुरुवार तड़के गश्त पर निकली थी। हरसिद्धि–अरेराज मुख्य मार्ग पर दो व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में नजर आए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर दोनों बाइक से भागने लगे, लेकिन 112 टीम ने पीछा कर अरेराज के पास से उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेराज आलम, पिता फौज आलम, निवासी विष्णुपुरवा (सुगौली थाना क्षेत्र) और सरफुद्दीन आलम, निवासी मीरगंज (गोपालगंज) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों ने भैंस और गाय चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछताछ और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। साथ ही पशु चोरी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी पुलिस द्वारा की जा रही है।

डीआईजी डॉ. कुमार आशीष ने किया दरियापुर थाना का वार्षिक निरीक्षण

250 से अधिक कांडों की हुई समीक्षा

बीएनएम @ सारण

डीआईजी सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण डॉ. कुमार आशीष द्वारा गुरुवार को दरियापुर थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर, अंचल पुलिस निरीक्षक, सोनपुर तथा थानाध्यक्ष दरियापुर उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में डीआईजी सह-एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने थानाध्यक्ष सहित सभी पुलिस पदाधिकारियों, कर्मियों एवं चौकीदारों को नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग (Citizen Centric Policing) को प्राथमिकता देने एवं अपराध नियंत्रण के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना के सभी अभिलेखों एवं पंजीयों की गहन जाँच की गई, जिसमें संधारण में पाई गई त्रुटियों को शीघ्र सुधारने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान थाना के लंबित एवं निष्पादनाधीन 250 से अधिक कांडों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस माह के भीतर 60 कांडों के त्वरित निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध कुर्की, वारंट तामिला सहित सभी विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीआईजी सह-एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने महिला हेल्प डेस्क में प्रतिनियुक्त महिला पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों को महिला परिवादियों के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित एवं कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त स्पीडी ट्रायल के लिए उपयुक्त कांडों के चयन, दागियों की नियमित जाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक पुराने गंभीर कांडों का निष्पादन थानाध्यक्ष द्वारा स्वयं पर्यवेक्षण में करने का आदेश दिया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर एवं कार्यालय में स्वच्छता बनाए रखने, प्रत्येक कर्मी की कार्यशैली पर सतत निगरानी रखने तथा आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान को जिला पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया।

कालाजार उन्मूलन में सीतामढ़ी फिर बना प्रदेश का 'मॉडल जिला'

- कालाजार मुक्ति के दस्तावेजीकरण में जिला बना रोल मॉडल
- कालाजार उन्मूलन में सीतामढ़ी के मॉडल को अपनाएंगे अन्य जिले
- डॉ. राजेश पाण्डेय ने सराहा सीतामढ़ी का प्रबंधन, बोले- यहाँ के दस्तावेज सबसे सुव्यवस्थित

बीएनएम @ सीतामढ़ी

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम में सीतामढी फिर बना मॉडल जिला। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य समन्वयक डॉ. राजेश पाण्डेय ने 'राजेन्द्र मेमोरियल रिसर्च आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के सभागार मे अपने व्याख्यान के दौरान दी। उन्होंने दृश्य-श्रव्य माध्यम से कालाजार उन्मूलन पश्चात डोजियर की तैयारी को लेकर आयोजित सभा मे हाल ही मे विश्व स्वास्थ्य संगठन के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ पल्लिका सिंह द्वारा बिहार के विभिन्न जिलों के भ्रमण पश्चात सौंपे गये प्रतिवेदन को दिखाते हुए कहा कि डोजियर की तैयारी सीतामढ़ी मे लगभग पूरी हो गई है और वहाँ सभी दस्तावेज सुसज्जित और सुव्यवस्थित हैं। अन्य जिलों को भी इससे बहुत मदद मिलेगी और इससे बिहार का पूरा डोजियर बनाने मे कामयाबी मिलेगी। विदित हो कि कालाजार उन्मूलन के क्षेत्र में सीतामढ़ी सदैव अग्रणी रहा है और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तत्कालीन अपर निदेशक डॉ जी एस सोनल की अनुशंसा पश्चात वर्ष 2013 से ही कालाजार नियंत्रण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु मॉडल जिला रहा है और डॉ रवीन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व मे किए गये नवाचारी प्रयोगों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर सराहा गया है। सीतामढ़ी ने जो एक समय कालाजार से अति प्रभावित था, वर्ष 2018 मे कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है और लगातार उन्मूलन की स्थिति को बनाये रखते हुए निरंतर मरीज की संख्या मे कमी लाने में सफल रहा है।

1299 से 4 मरीजों तक का सफरः- सीतामढ़ी का कालाजार के विरुद्ध संघर्ष काफी लंबा और सफल रहा है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2011 में जिले में कालाजार के कुल 1299 मरीज थे। वर्ष 2025 में निरंतर प्रयासों के चलते मरीजों की संख्या घटकर मात्र 4 रह गई है। सीतामढ़ी की इस सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत और नवाचार शामिल है। डॉ. रवीन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में यहाँ किए गए प्रयोगों को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है।

जिले में हर्ष का माहौलः- उन्मूलन के दस्तावेजीकरण में सीतामढ़ी को पुनः मॉडल जिला घोषित किए जाने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और जिले के निवासियों में खुशी की लहर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तत्परता से कार्य जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब बिहार पूरी तरह से कालाजार मुक्त घोषित कर दिया जाएगा।

शिविर आयोजित कर बनाया जा रहा है किसान आईडी कार्ड

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया मध्य पंचायत के पंचायत भवन पर शिविर आयोजित कर किसान आईडी बनाने को लेकर कागज का सत्यापन किया जा रहा है। पीएम किसान योजना के लाभुकों का भी सत्यापन किया जा रहा है। ताकि आगे भी किसान संबंधित योजनाओं का लाभ इन्हें मिलता रहे। कृषि समन्यवक ब्रजेश कुमार ने बताया कि शिविर के माध्यम से किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। एक बकेट बनाया जा रहा है। जिसमें किसानों के सभी जमीनों का लेखा-जोखा रहेगा। जिन किसानों का सूची में नाम रहेगा उन्ही किसानों को सरकारी लाभ मिल सकेगा। किसानों का ई-केवाईसी भी किया जा रहा है। पुरे प्रखंड के रेवेन्यू विलेज में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में कृषि समन्यवक ब्रजेश कुमार, कर्मचारी सुरेंद्र कुमार व कृषि सलाहकार संजय कुमार, अशोक सिंह आदि कर्मी मौजूद थे।

डुमरियाघाट के बनपरुआ गांव में सड़क किनारे खेत से संदिग्ध स्थिति में युवक का शव बरामद

- युवक की मां ने प्रेम प्रसंग में हत्या की जाने को लेकर थाना में दिया आवेदन, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@डुमरियाघाट

डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के बनपरुआ गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब पुलिस ने गांव के चिमनी के पास स्थित एक खेत में 20 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान बनपरुआ गांव निवासी श्यामबाबू यादव के पुत्र मंतोष कुमार (20) के रूप में हुई है। शव के पास ही उसकी पल्सर मोटरसाइकिल पड़ी मिली, और बाइक की चाबी गाड़ी में ही लगी दिखी, जिससे घटना और भी रहस्यमय बन गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जो घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में लगी है। परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

रात 8 बजे घर से निकला, फिर नहीं लौटा :-मृतक की मां रीना देवी ने डुमरियाघाट थाना में दिए आवेदन में बताया कि मंतोष बुधवार शाम करीब 8 बजे पल्सर मोटरसाइकिल से घर से निकला था। रात 10 बजे तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर कई बार कॉल किया, लेकिन फोन बंद मिला। इसके बाद पूरी रात और सुबह तक उसकी तलाश की गई। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों से सूचना मिली कि साव के पुल के पास खेत में एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने जब शव देखा तो वह मंतोष का ही निकला, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

पहले से मिल चुकी थी जान से मारने की धमकी :-रीना देवी ने अपने आवेदन में हत्या की वजह प्रेम प्रसंग को बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंतोष का उसी पंचायत के पुरैना गांव की एक युवती से प्रेम संबंध था। इस बात को लेकर युवती के परिजन कुछ दिन पहले उनके घर आए थे और खुलेआम जान से मारने की धमकी दी थी। आरोप है कि धमकी देते हुए कहा गया था कि अपने बेटे को समझा लो, नहीं तो उसे जान से मार देंगे। परिजनों का कहना है कि उसी धमकी को अंजाम देते हुए मंतोष की हत्या कर दी गई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और नामजद आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है।

धमकी भर से हड़कंप

ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैं। डॉनल्ड ट्रंप ने संकेतों की भाषा में धमकी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें खुश रखें, वरना भारत और वे और टैरिफ लगा देंगे। इतने भर से भारत के कारोबार जगत में बेचैनी फैल गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स ने कहा कि अमेरिका ने मौजूदा 50 फीसदी टैरिफ को बढ़ाया, तो उसका भारतीय निर्यात पर बहुत खराब असर होगा। खासकर निर्यात के पारंपरिक क्षेत्र इससे अधिक प्रभावित होंगे। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि पहले से लगे टैरिफ के कारण बीते मई से नवंबर तक अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई। टैरिफ और बढ़ा, इस गिरावट की रफ्तार और तेज हो जाएगी। जीटीआरआई ने ध्यान दिलाया कि भारत के पास रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन की तरह सौदेबाजी की ताकत नहीं है। इसलिए ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने गुजरे महीनों में अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैं। हाल में एक आरटीआई अर्जी पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि भारतीय निर्यात में आई गिरावट का कारण सिर्फ अमेरिकी टैरिफ नहीं है। बल्कि लागत सामग्रियों की महंगाई, उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं इसकी जांच करने की सुविधाओं की कमी, और पर्याप्त संख्या में शिपिंग कंटेनर्स का उपलब्ध ना होना भी भारतीय निर्यात के सामने प्रमुख रुकावटें हैं। गुजरे नवंबर में एक बैठक के दौरान भारतीय निर्यातकों ने इन समस्याओं की जानकारी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को दी थी। जिस समय ट्रंप प्रशासन ने अपनी एकतरफा कार्रवाइयों से विश्व व्यापार के पुराने नियम बदल दिए हैं, केंद्र और भारतीय उद्योगपतियों को इन मसलों के समाधान ढूंढने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए थी। टैरिफ भले अचानक लगा हो, मगर उपरोक्त समस्याओं पर ध्यान तो पहले से होना चाहिए था। इन रुकावटों के कारण दूसरे बाजारों तक पहुंचने के प्रयास भी कठिन बने हुए हैं। इस बीच ट्रंप की धमकियों को चुपचाप सुनना भारत की मजबूरी बनी हुई है।

जेएनयू और वामपंथः विचारधारा के नाम पर अराजकता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर किसी शैक्षणिक उपलब्धि, शोध या बौद्धिक योगदान के लिए नहीं, आपत्तिजनक नारेबाजी, उग्र मानसिकता और लोकतंत्र विरोधी आचरण के कारण राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध लगाए गए उत्तेजक और हिंसक नारे इस बात का प्रमाण हैं कि जेएनयू में लंबे समय से पनप रही वामपंथी राजनीति अब असहमति की सीमा लांघ चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इसे जानबूझकर किया गया कृत्य बताते हुए पुलिस से गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग करना भी आज यह बता रहा है कि वर्षों से चले आ रहे वैचारिक अराजकता के विरुद्ध एक अनिवार्य हस्तक्षेप अब अनिवार्य हो गया है वामपंथी सोच का सबसे बड़ा और घातक प्रभाव यह रहा है कि उसने भारत के विकास को हमेशा संदेह और शत्रुता की दृष्टि से देखा। आर्थिक सुधार, बुनियादी ढांचे का विस्तार, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निर्णय, आतंकवाद के विरुद्ध सख्त कदम या सामाजिक सुधार, हर पहल को 'फासीवाद', 'राज्य दमन' या 'कॉरपोरेट साजिश' बताकर खारिज करने की प्रवृत्ति लगातार देखने को मिलती है। जेएनयू में फीस वृद्धि, अनुच्छेद 370, सीएए या अन्य किसी भी विषय को लेकर आंदोलन का तरीका हमेशा एक जैसा रहा है। पढ़ाई ठप करो, परीक्षाएं रोक दो, रजिस्ट्रेशन बाधित करो और सामान्य छात्रों को बंधक बना लो। पिछले महीनों में यही रणनीति खुलकर सामने आई। सेमेस्टर परीक्षाओं को बाधित किया गया, छात्रों को कक्षाओं में जाने से रोका गया, विश्वविद्यालय के मुख्य भवन पर कब्जा किया गया और जब छात्रों ने धमकियों के बावजूद रजिस्ट्रेशन शुरू किया तो सर्वर रूम में घुसकर इंटरनेट बंद कर दिया गया। इसके बाद भी जब अधिकांश छात्रों ने वैकल्पिक माध्यमों से पंजीकरण कर लिया, तो उन पर डंडों, रॉड और धारदार हथियारों से हमला किया गया। यह सब किसी छात्र आंदोलन का स्वरूप नहीं हो सकता है, ये सीधे तौर पर संगठित हिंसा और वर्चस्व की राजनीति है।कहना होगा कि यह घटना किसी एक दिन, एक समूह या एक प्रतिक्रिया का परिणाम नहीं है। यह उस वैचारिक परंपरा का नवीन अध्याय है, जिसने जेएनयू को शिक्षा और शोध के केंद्र से अधिक एक राजनीतिक अखाड़े में बदल दिया है। साल 1969 में स्थापना के बाद से ही वामपंथी छात्र संगठनों और उनके वैचारिक समर्थकों का इस विश्वविद्यालय पर लगभग एकाधिकार रहा है। इस आधिपत्य का परिणाम यह हुआ कि कैंपस में सहमति और असहमति को तार्किकता की कसौटी पर नहीं पखरा जाता। आज भी यहां हिंसा, धमकी और दबाव के जरिए तर्कों को कुचला जा रहा है। साल 1983 में तो हालात इतने बेकाबू हो गए थे कि पूरे एक वर्ष के लिए विश्वविद्यालय को बंद करना पड़ा था। उस समय न तो किसी गैर वामपंथी सरकार का दबाव था और न ही किसी वैकल्पिक विचारधारा का प्रभाव। तत्कालीन कुलपति पीएन श्रीवास्तव के घर में घुसकर की गई तोड़फोड़, लूट और शिक्षकों के साथ की गई बर्बरता इस बात का प्रमाण थी कि हिंसा वामपंथी राजनीति की आकस्मिक प्रतिक्रिया न होकर उसकी अंतर्निहित प्रवृत्ति है। उस दौर में भी वामपंथी शिक्षकों की भूमिका छात्रों को उकसाने और हिंसा की योजना बनाने में संदिग्ध रहती रही। इसके बाद के दशकों में यह सिलसिला और अधिक उग्र होता गया। साल 1990 और 2000 के दशक में जेएनयू परिसर में हुई कई घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। कारगिल युद्ध के बाद पाकिस्तान समर्थक कविताओं का मंचन, भारतीय सैनिकों द्वारा विरोध किए जाने पर उनके साथ की गई निर्मम मारपीट, साल 2005 में प्रधानमंत्री के आगमन पर हुआ उपद्रव, साल 2010 में दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के 76 जवानों के बलिदान पर कथित जश्न, साल 2013 में दुर्गा और हिंदू आस्था के अपमान से जुड़ा महिषासुर दिवस और साल 2016 में अफजल गुरु की बरसी पर भारत विरोधी नारे, ऐसे अनकों देश विरोध के कृत्य यहां आए दिन देखने में आते हैं, ये सभी घटनाएं एक ही वैचारिक धारा की निरंतरता को दर्शाती हैं और बताते हैं कि वामपंथ भारत के लिए कितना विनाशक साबित हुआ है। हर बार देखने में यही आया है कि इन नारों और कार्यक्रमों का निशाना सरकार की नीतियों के साथ भारत की एकता और अखंडता, उसकी सांस्कृतिक आस्था और उसका संविधान लगातार इस राजनीति के केंद्र में रहे हैं। 'आइन ए हिंदुस्तान का मंजूर नहीं' जैसे नारे यह स्पष्ट करते हैं कि असहमति की आड़ में संवैधानिक व्यवस्था को ही अस्वीकार करने की मानसिकता जेएनयू में विकसित की जा रही है। इस पर भी आश्चर्य यह है कि जो कुछ यहां घट रहा है, वह लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के साथ उसी संविधान की आड़ लेकर किया जाता है, जिसके विरोध में यहां नारे लगते हैं। ताजा घटनाक्रम में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज होने के बाद जेएनयू में 'मोदी शाह की कब्र खुदेगी' जैसे नारे लगना इस तथ्य को उजागर करता है कि वामपंथी राजनीति अब न्यायपालिका के निर्णयों को भी खुलेआम चुनौती देने लगी है। कहना होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इसे सुप्रीम कोर्ट की प्रत्यक्ष अवमानना बताया जाना बिल्कुल सही है। यह कोई भावनात्मक या अनजाने में हुई अभिव्यक्ति नहीं है, ये तो सामने से सत्ता और राज्य के विरुद्ध हिंसक भाषा को सामान्य बनाने का प्रयास है। हाल के दिनों में जाति आधारित नारे लिखे जाने और ब्राह्मणों तथा अगड़ी जातियों को खुलेआम धमकियां देने की घटनाएं इस राजनीति के एक और खतरनाक पहलू को उजागर करती हैं। पहचान की राजनीति को हथियार बनाकर समाज में विभाजन पैदा करना और डर का माहौल बनाना वामपंथी राजनीति की पुरानी रणनीति रही है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जेएनयू केंद्रित यह वामपंथी राजनीति अक्सर नक्सली, माओवादी, जिहादी और अलगाववादी विचारों से वैचारिक साम्यता दिखाती है। शहरी बुद्धिजीवी नेटवर्क, विश्वविद्यालयी मंच और सशस्त्र संघर्ष, इन तीनों के बीच संबंधों को बार बार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दंतेवाड़ा और सुकमा जैसे नरसंहारों पर जिस प्रकार के बयान और औचित्यकरण सामने आते रहे हैं, वे इस वैचारिक गठजोड़ को उजागर करने के लिए पर्याप्त हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत हमेशा से रहा है, किंतु इसका अर्थ हिंसा, धमकी और राष्ट्र विरोध कदापि नहीं हो सकता। विश्वविद्यालयों का उद्देश्य प्रश्न उठाना है, वह भी उन उत्तरों की खोज में, जिन्हें जानना लोक के विकास एवं परमार्थ के लिए आवश्यक है, नकि समाज और राष्ट्र को तोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों (शिक्षा के मंदिरों) का उपयोग किया जाए। जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान को यदि कुछ वामपंथी समूह अपने अस्तित्व के संकट से उबरने के लिए प्रयोगशाला बना रहे हैं तब फिर इसे रोकना आवश्यक हो जाता है।

स्मृति शेषः कथा जगत को सूना कर गए ज्ञानरंजन

मुकुंद

साहित्यिक पत्रिका पहल के संपादक और प्रख्यात कथाकार ज्ञानरंजन कथा जगत को सूना कर गए। 07 जनवरी की रात जबलपुर में 90 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसी के साथ हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण युग का अवसान हो गया है। ज्ञानरंजन को अप्रतिम कथाकार और यशस्वी संपादक के रूप में जाना जाता है। उनके जाने से देश की प्रगतिशील साहित्यिक चेतना की सशक्त आवाज शांत हो गई। साठोत्तरी कहानी आंदोलन के प्रमुख हस्ताक्षर ज्ञानरंजन का जन्म 21 नवंबर 1936 को हुआ था। वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ सुमन के पुत्र ज्ञानरंजन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद जबलपुर के प्रतिष्ठित जीएस कॉलेज में हिंदी के प्रोफेसर के रूप में अध्यापन किया। उनकी पहली कहानी 'दिवास्वप्नी' लिखी। इसके बाद 'कबाड़खाना', 'क्षणजीवी', 'सपना नहीं', 'फेंस के इधर और उधर' और 'प्रतिनिधि कहानियां' जैसे संग्रहों के माध्यम से उन्होंने हिंदी कथा साहित्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी कहानियां काव्यात्मकता, भाषा के अनूठे प्रयोग, तीखे तेवर और नई शैली के लिए चर्चित रहीं।ज्ञानरंजन 'चार यार' के रूप में प्रसिद्ध साठोत्तरी पीढ़ी के समूह का हिस्सा रहे। इन चार यारों में दूधनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह, रवींद्र कालिया और 'वह' हैं। उन्होंने लगभग 35 वर्ष तक पहल संपादन और प्रकाशन किया। उन्हें सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड, साहित्य भूषण सम्मान, शिखर सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान और ज्ञानपीठ का ज्ञानगरिमा मानद अलंकरण सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। उनकी कहानियों का भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ और वे कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हैं। उनके जीवन और कृतित्व पर दूरदर्शन एक फिल्म का निर्माण भी कर चुका है। ज्ञानरंजन ने 'पिता', 'अमरूद' जैसी कहानियों में मध्यवर्गीय जीवन की आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जटिलताओं को जीवंत किया। उनकी कहानियां समाज के सभी वर्गों के मनोभाव की गहरी पड़ताल करती हैं। ज्ञानरंजन के छह कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं। इनकी कहानियों की कुल संख्या 25 है। यह 'सपना नहीं' संकलन में एकत्र हैं। उनकी अनूठी गद्य रचनाओं की एक किताब कबाड़खाना बहुत लोकप्रिय हुई। उन्होंने कहानियों के अतिरिक्त भी साहित्य की कई विधाओं में लेखन किया। ज्ञानरंजन की कहानियों भारतीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त ओसाका, लंदन, सैन फ्रांसिस्को, लेनिनग्राद, और हाइडेलबर्ग आदि के अनेक अध्ययन केंद्रों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। आखिरी पलों में जबलपुर में ज्ञानरंजन के पास रहे कृष्णकांत वर्मा 'टिल्लू' फोन करते ही रो पड़े। टिल्लू की बड़ी बेटी बोल्गा की शादी में ज्ञानरंजन और उनकी पत्नी रातभर रुके थे। तब इस बकलम की उनसे लंबी मुलाकात हुई थी। यह कुछ साल पहले की बात है। वो तब मौजूदा कथा परिदृश्य से काफी निराश लग रहे थे। विचारोत्तेजक कहानियों की कमी उन्हें साल रही थी। वह पहल के प्रकाशन को स्थगित करने के अपने फैसले को भी कोस रहे थे। फिर बोले-जो हुआ, अच्छा ही हुआ। सुबह जाते वक्त बोल गए थे, अगली दफा जबलपुर आएं तो '101, रामनगर, आधारताल' जरूर आएं। यही उनका और पहल का पता ठिकाना था। ताकीद किया था कि टिल्लू को भी साथ में ले आना। अफसोस तब से जबलपुर ही जाना न हो सका। टिल्लू हमारे देशबंधु की नौकरी के समय एकमात्र साथी हैं। उनसे पहल और ज्ञानरंजन जी के खूब किस्से सुने हैं। फेसबुक में शोकाकुल उनके प्रशंसकों और परिचितों में वरिष्ठ पत्रकार सुनील श्रीवास्तव भी हैं। उन्होंने लिखा, '' पत्रकार और रंगकर्मी राकेश दीक्षित और अनिल रंजन भौमिक के पोस्ट से दुखद खबर मिली कि आदरणीय ज्ञानरंजन जी हम सब को छोड़ कर चले गए। कब-कैसे मालूम नहीं हो सका। साठोत्तरी पीढ़ी के सबसे सशक्त रचनाकार और पहल के माध्यम से साहित्यिक और प्रगतिशील सोच को सशक्त मंच देने वाले ज्ञान जी से उनकी रचनाओं के माध्यम से तो बहुत पहले से ही साक्षात्कार हो चुका था , लेकिन जब 1981 में धर्मयुग छोड़कर हितवाद में काम करने जबलपुर गया तब उनको बहुत नजदीक से जानने का अवसर मिला। न सिर्फ अवसर बल्कि स्नेह भी भरपूर मिला जो अब तक मिलता रहा । न जाने कितने लेखकों को उन्होंने न सिर्फ मंच दिया, बल्कि उन्हें साहित्य का मुकम्मल जहां भी दिया। सुनील श्रीवास्तव कहते हैं, ''मृत्यु की खबर मिलते ही मैंने जब प्रकाश चन्द्रायन को नागपुर फोन किया तो उन्होंने बताया कि अभी साढ़े दस बजे उनकी मृत्यु हुई। पांच दिसम्बर को वह बेटे शांतनु (पाशा) के पास से जबलपुर गए थे। अमेरिका से उनकी बेटी भी आ गई थी। अभी कुछ महीनो पूर्व मैंने सम्पर्क करने की कोशिश की तो उनकी तबीयत खराब थी। मुझे याद आ रहा है वह दिन जब वह अकसर जब नागपुर में होते थे, तो लोकमत जरूर आते थे और प्रकाश जी, हम और ज्ञान जी खूब बातें करते थे, जिसमें सभी विषय शामिल होते। प्रकाश जी ने उनसे कुछ न- न करते भी लिखवा ही लिया करते थे। भाऊ समर्थ भी बहस में शामिल होते थे। भाऊ से भी मेरी पहचान ज्ञान जी ने ही कराई थी। वरिष्ठ पत्रकार सुनील श्रीवास्तव लिखते हैं, ''मुझे याद आ रहा है कि जबलपुर में उनका घर कैसे साहित्यिक गतिविधियों का केंद्र बना था। भागवत रावत हों या कमला प्रसाद जब भी उनके यहां आते थे तो साहित्यिक उत्सव अपने आप बन जाता था। बाबा या कोई अन्य रचनाकार जब बाहर से आता था तो ज्ञान जी ही जबलपुर में उनका स्वागत करते थे। जब उत्सव शमशेर का आयोजन ज्ञान जी ने किया था, तब बाबा उन्हीं के यहां रुके थे। एक कमरा ऊपर का हरी भटनागर को दिया था। त्रिलोचन जी भी संभवत उन्हीं के यहां रुके थे। तब परसाई जी जिंदा थे और उत्सव शमशेर में शामिल भी हुए थे।सच तो यह था कि ज्ञान जी जबलपुर में होने वाली साहित्यिक -सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र थे। भाभी जी भी उनके साथ उनका पूरा सहयोग करती थीं। साठोत्तरी पीढ़ी का अंतिम स्तम्भ भी गिर गया। इसकी भरपाई अब न हो सकेगी। ज्ञानरंजन जी को अंतिम सलाम करता हूं।''

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का सजीव संवाद

कांतिलाल मांडोत

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है। नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है। प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है। वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया। हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं। इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है। प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है। प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है। इस आयोजन की उपयोगिता अनेक स्तरों पर दिखाई देती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्रवासी भारतीय निवेश, प्रेषण और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं। विदेशों से आने वाला धन केवल परिवारों की आजीविका ही नहीं सुधारता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। बौद्धिक स्तर पर प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के अनुभव भारत के साथ साझा करते हैं, जिससे देश में नई सोच और तकनीक का प्रवेश होता है। सांस्कृतिक दृष्टि से प्रवासी भारतीय दिवस भारत की नरम शक्ति को मजबूत करता है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से भारतीय संस्कृति विश्व में सम्मान प्राप्त कर रही है। प्रवासी भारतीय इस सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर भी प्रवासी समुदाय विभिन्न देशों में भारत के पक्ष को समझाने और समर्थन जुटाने में सहायक सिद्ध होता है। युवा प्रवासी भारतीय दिवस इस आयोजन का एक विशेष और दूरदर्शी आयाम है। युवा पीढ़ी, जो विदेशों में जन्मी या पली-बढ़ी है, उसके लिए भारत कभी-कभी केवल एक पारिवारिक स्मृति बनकर रह जाता है। यह विशेष कार्यक्रम उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है, भारत की समकालीन वास्तविकताओं से परिचित कराता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं से भरा देश है। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का महत्व केवल उत्सव तक सीमित नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है। यह भारत को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वह अपने प्रवासी समुदाय की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पा रहा है। साथ ही यह प्रवासी भारतीयों को भी यह याद दिलाता है कि उनकी पहचान, जिम्मेदारी और योगदान केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ से जुड़ा हुआ है। आज के वैश्वीकृत युग में जब पहचानें तेजी से बदल रही हैं, प्रवासी भारतीय दिवस स्थायित्व का प्रतीक बनकर उभरता है। यह बताता है कि दूरी भौगोलिक हो सकती है, भावनात्मक नहीं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता मिल सकता है। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है।
शुभ रंग- पिच

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज अपनी इच्छाशक्ति के बल पर योजनाओं पर काम कर पाएंगे।
शुभ रंग- ग्रे

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है।
शुभ रंग- नारंगी

कर्क राशि- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सयोग करेंगें।
शुभ रंग- सिल्वर

सिंह राशि- आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोक्स बनायें रखें।
शुभ रंग- नीला

कन्या राशि- आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओ को बढ़िया नौकरी के मिलने की संभावना बन रही है।
शुभ रंग- पीला

तुला राशि- आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा7 आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण,घर में खुशी का माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे।

धनु राशि- आज का दिन नई ऊर्जा लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे और गलत संगत से बचेंगे। आज क्रोध को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा।
शुभ रंग- पिच

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मांजरेकर ने विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये था। उन्होंने संन्यास का फैसला हड़बड़ी में कर दिया जबकि उनके साथ के स्टार खिलाड़ी अभी खेल रहे हैं। मांजरेकर के अनुसार फैब फोर का हिस्सा रहे विराट के साथी इंग्लैंड के जो रूट, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आज भी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। हाल ही में एशेज सीरीज़ के पांचवें टेस्ट में रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक जबकि स्मिथ ने 37वां टेस्ट शतक लगाया है। मांजरेकर के अनुसार विराट अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेल रहे हैं। आज के दौर में इसमें काफी कम मुकाबले होते हैं जिससे ये सबसे आसान दौर हैं। मांजरेकर ने सोशल मीडिया में कहा ,“ आजक जब रूट टेस्ट क्रिकेट में नई ऊँचाइयों को छू रहे हैं, तो मेरा ध्यान विराट की ओर जाता है। तब लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट समय से पहले ही छोड़ दिया। संन्यास से पहले वह रनों के लिए संघर्ष कर रहे थे पर उन्होंने यह समझने का पूरा प्रयास नहीं किया कि रन किस कारण नहीं बन रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि यह चर्चा फिर कभी हो सकती है कि विराट क्या बेहतर कर सकते थे पर मुझे सिर्फ इस बात का दुख है कि जो रूट, स्मिथ और विलियमसन जैसे खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं, वहीं विराट ने ये अवसर खो दिया। मांजरेकर ने यह भी कहा कि अगर विराट ने तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लिया होता, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती। अगर विराट कोहली ने पूरी तरह क्रिकेट से संन्यास ले लिया होता, तो वह ठीक था पर उन्होंने केवल टेस्ट क्रिकेट छोड़ा और एकदिवसीय खेलना जारी रखा जो मुझे अजीब लगा।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

एजेंसी, सिडनी

स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है। मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला। इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। । इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुतुराज की उपेक्षा पर भड़के सदागोप्पन रमेश और रॉबिन उथप्पा

» नीतीश कुमार रेड्डी को शामिल करने पर उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सदागोप्पन रमेश और रॉबिन उथप्पा ने बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की उपेक्षा सवाल उठाये हैं। रमेश ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी रुतुराज को राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए रुतुराज को शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश ने कहा कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह रुतुराज को टीम में जगह मिलन चाहिये थी। इस पूर्व बल्लेबाज ने पांचवें तेज गेंदबाज को शामिल किये जाने पर भी हैरानी जतायी। रुतुराज ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी भी खेली थी। इसके बाद भी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। रमेश ने कहा कि नीतीश को टीम में बल्लेबाज या तेज गेंदबाज ऑलराउंडर किस लिए लिया गया है। ये भी अभी स्पष्ट नहीं है। ऐसे में उनकी जगह रुतुराज को टीम में शामिल किया जाना फायदेमंद रहता । वहीं रमेश के अलावा पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने भी रुतुराज को टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जताते हुए कहा कि ये समझना कठिन है कि पिछली सीरीज में रन बनाने के बाद भी किस कारण से इस बल्लेबाज को बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में जगह बनाये रखना आजकल काफी कठिन हो गया है जिससे खिलाड़ियों पर भी अतिरिक्त दबाव रहता है। उथप्पा ने सफलता पाने के लिए आवश्यक प्रयासों पर बल दिया, विशेषकर मुंबई, दिल्ली और पंजाब जैसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों से बाहर के खिलाड़ियों के लिए। उन्होंने उच्चतम स्तर पर जगह बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने और दृढ़ रहने के महत्व पर बल दिया।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, ‘विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, ‘हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

गंभीर के समर्थन में उतरे हरभजन, बोले हर प्रारुप में अलग कोच की जरुरत नहीं

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर टीम के टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन के बाद से ही दबाव में है। इसके बाद भी टीम के लिए प्रारुप के अनुसार अलग-अलग कोच रखे जाने का उन्होंने विरोध किया है। वहीं दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मामले में गंभीर से सहमत हैं। हरभजन ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा कि अभी प्रारुपों के अनुसार अलग कोच की जरुरत नहीं है। हरभजन ने कहा, ‘भारत का कोच बनना बहुत आसान काम नहीं है। कोच बनने के लिए आपको टीम के साथ पूरे साल सफर करना पड़ता है और आपको खेल में अपने को झौंक देना पड़ता है। कई सारी टीमों का चयन होता है और आपको मैच के परिणामों पर भी ध्यान देना होत है।’ हरभजन ने कहा, हमारी परंपरा है कि जब टीम अच्छा खेल रही होती है तो सब शांत रहते हैं पर जैसे ही टीम खराब खेलने लगे, हम सभी कोच बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि भविष्य में अलग-अलग कोच की जरूरत पड़े पर अभी इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ‘हर किसी को धैर्य रखने की जरूरत है। अभी सफेद गेंद के लिए अलग और ला गेंद के लिए अलग कोच की जरूरत नहीं है। अगर आगे इसकी जरूरत पड़ी तो निश्चित तौर पर ऐसा किया जाएगा। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।’ गंभीर के कार्यकाल में टीम इंडिया पहले न्यूजीलैंड और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैच घरेलू धरती पर हारी उससे भी उनके खिलाफ माहौल बना है हालांकि खेल में ऐसा होता रहता है। हरभजन से पहले आर अश्विन ने भी गंभीर का समर्थन करते हुए कहा था कि कोच सबकुछ नहीं कर सकता। मैदान में खिलाड़ियों को ही खेलना होता है।

व्यापार

लगातार चौथे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाल पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 1.01 प्रतिशत टूट कर बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती हुई नजर आई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब आठ लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 472.11 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 479.94 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.83 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,038 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,159 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,885 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 491 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,394 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 183.12 अंक की कमजोरी के साथ 84,778.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 187.25 अंक उछल कर 4.13 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ हरे निशान में 84,965.27 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार पर पूरी तरह से मंदड़ियों का कब्जा हो गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 851.04 अंक की कमजोरी के साथ 84,110.10 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 70 अंक से अधिक की रिकवरी करके 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 34.25 अंक टूट कर 26,106.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर 26,133.20 अंक तक पहुंचा, लेकिन हरे निशान तक पहुंचने के पहले ही बाजार पर बिकवाल हावी हो गए। बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से निफ्टी की चाल भी गिरती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 282.30 अंक टूट कर 25,858.45 अंक तक पहुंच गया।

भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 में 7.4 फीसदी बढ़ने की उम्मीदः एनएसओ

वास्तविक जीडीपी में मजबूती, नॉमिनल वृद्धि धीमी रहेगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2026 के लिए पहला अग्रिम अनुमान जारी किया है। अनुमान के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 फीसदी वृद्धि से बेहतर है। यह आंकड़ा वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता को दर्शाता है। हालांकि नॉमिनल जीडीपी केवल 8 फीसदी बढ़ने का अनुमान है, जो कोविड महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 21 के बाद सबसे धीमी वृद्धि है। इसमें मुख्य भूमिका जीडीपी डिफ्लेटर की है, जो पांच दशक के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर है। वास्तविक और नॉमिनल जीडीपी के बीच अंतर 60 आधार अंक ही रह गया है, जो वित्त वर्ष 2011-12 के बाद सबसे कम है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में वृद्धि 8 फीसदी रही, लेकिन दूसरी छमाही में यह घटकर 6.9 फीसदी होने की संभावना है। सकल मूल्य वर्धन 7.3 फीसदी बढ़ने का अनुमान है, जिससे शुद्ध अप्रत्यक्ष करों का मामूली सकारात्मक योगदान दिखता है। नॉमिनल जीडीपी में कमी और आयकर व जीएसटी में छूट के कारण कर संग्रह पर दबाव रहेगा। अनुमान है कि राजस्व में लगभग 1.5–2 लाख करोड़ रुपये की कमी आएगी। हालांकि, खर्च में नियंत्रण और भारतीय रिजर्व बैंक से लाभांश मिलने से सरकार वित्त वर्ष 26 में राजकोषीय घाटे को 4.4 फीसदी तक सीमित रख सकेगी।

टाइटन लैब में तैयार हीरों के बाजार में बीयॉन ब्रांड के साथ प्रवेश करेगी

कंपनी के मुताबिक शुरुआत में 5 से 10 स्टोर खोले जाएंगे

नई दिल्ली। टाइटन ने हाल ही में घोषणा की कि वह अपने नए ब्रांड बीयॉन के माध्यम से लैब में तैयार किए गए हीरों के क्षेत्र में कदम रख रहा है। कंपनी का उद्देश्य इस नए ब्रांड के साथ शीर्ष स्थान हासिल करना है। टाइटन के एक अधिकारी ने निवेशक कॉल के दौरान कहा कि शुरुआत में 5 से 10 स्टोर खोले जाएंगे ताकि लागत और लाभ का सटीक आकलन किया जा सके। प्रारंभिक स्टोर केवल महानगरों में खुलेंगे, लेकिन कंपनी इसे धीरे-धीरे अन्य शहरों में भी ले जाने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया कंपनी को समझने में मदद करेगी कि हर उत्पाद बनाने और बेचने में कितना खर्च आता है और कुल कमाई कितनी होती है। हालांकि वर्तमान में लैब में तैयार हीरों का बाजार कुल डायमंड बाजार का केवल 2 फीसदी से भी कम है, इसके बढ़ने की संभावना है। टाइटन इसे नई वृद्धि की संभावना के रूप में देख रहा है। साथ ही, कंपनी अपने मौजूदा हीरे के ब्रांड (तनिष्क, मिया, कैरटलेन, जोया) में निवेश जारी रखेगी।

घरेलू सर्राफा बाजारों में तेजी से बढ़ी सोना और चांदी की कीमतें

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख जारी है। सोने के भाव में आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी भी आज दिल्ली में 4,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। सर्राफा बाजार में आज आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,490 रुपये से लेकर 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,860 रुपये से लेकर 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,57,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,640 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के कोयला उपक्रम (पीएसयू) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) प्रोग्राम के तहत नवा रायपुर छत्तीसगढ़ में एक हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने के लिए श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किया है। इस समझौते से प्रोजेक्ट को 35.04 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद मिलेगी। कोयला मंत्रालय के मुताबिक प्रस्तावित इंस्टीट्यूट सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को नर्सिंग असिस्टेंट, टेक्नीशियन और हेल्थकेयर से जुड़े दूसरे प्रोफेशनल्स सहित मुख्य हेल्थकेयर क्षेत्रों में मुफ्त स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग देगा। इस पहल का मकसद रोजगार क्षमता बढ़ाना और हेल्थकेयर सर्विस डिलीवरी को मज़बूत करना है, खासकर उन इलाकों में जहां ये सुविधाएं कम हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते के तहत कैंपस में एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल, स्टाफ के रहने की सुविधाएं और उससे जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होगा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के ऑपरेशनल जिलों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी और इन जिलों के लिए सालाना एडमिशन में कम से कम 20 फीसदी सीटें 25 साल की अवधि के लिए रिजर्व रहेंगी, जिसे परफॉर्मेंस के आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

रीना रॉय : पर्दे की पहली नागिन ने जब चुराया लोगों का दिल, हर रोल में दिखीं बेहद खास

बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो हर तरह के किरदार को इतनी मजबूती से निभाते हैं कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखें। रीना रॉय भी उन्हीं में से एक हैं। चाहे कोई रोल नेगेटिव हो या पॉजिटिव, उनकी परफॉर्मेंस में हमेशा आत्मविश्वास देखने को मिलता है। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने जिस तरह से फिल्मों में खुद को साबित किया, वह आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें सिर्फ हिट फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने हर किरदार से अपनी छाप छोड़ी। रीना रॉय का जन्म 7 जनवरी 1957 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम सायरा अली था। उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सादिक अली, अभिनेता थे, और उनकी मां, शारदा रॉय, भी फिल्मों में काम करती थीं। माता-पिता के तलाक के बाद, उनका नाम बदलकर पहले रूपा रॉय और फिर फिल्म निर्माता की सलाह पर रीना रॉय रखा गया। उनकी रुचि बचपन से ही अभिनय में थी। रीना ने 1972 में फिल्म जरूरत से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं हुई, लेकिन रीना की परफॉर्मेंस ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 1973 में जैसे को तैसा और 1975 में जख्मी जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में नेगेटिव किरदारों के जरिए अभिनय की ताकत दिखाई। 1976 में रीना के करियर का सुनहरा मोड़ आया। उन्होंने कालीचरण और नागिन जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। कालीचरण में उनकी केमिस्ट्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ पसंद की गई, जबकि नागिन में उन्होंने एक इंसान और नागिन के रूप में जटिल भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस स्टार बना दिया। इस समय उनकी खूबसूरती के साथ-साथ किरदार निभाने की मजबूती ने दर्शकों को प्रभावित किया। 1977 में रीना ने अपनापन में काम किया और फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुई। इसके बाद उन्होंने 1980 में आशा, 1981 में नसीब, और 1982 में सनम तेरी कसम जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए, कभी प्यार में हारी प्रेमिका की, तो कभी संस्कारी बहू की, तो कभी साहसी महिला की, उनके किरदारों में हमेशा गहराई और मजबूती देखने को मिलती थी। रीना रॉय ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया। उन्होंने जितेंद्र के साथ कई हिट फिल्में दीं, जैसे बदलते रिश्ते, अर्पण, और आशा। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी कई हिट फिल्में कीं। उनके किरदार चाहे नेगेटिव हों या पॉजिटिव, हमेशा दर्शकों के दिलों पर असर छोड़ते थे। उनके अभिनय की यही खासियत उन्हें अलग बनाती है। 1983 में रीना ने अपने करियर में ब्रेक लिया और पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की। बाद में उनका तलाक हो गया और वे भारत लौट आईं। 1993 में उन्होंने आदमी खिलौना है में वापसी की, लेकिन उनकी पुरानी लोकप्रियता दोबारा नहीं बन सकी। इसके बाद उन्होंने कुछ और फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई, जैसे अजय (1996), गैर (1999) और रिफ्यूजी (2000)। रीना ने फिल्मों के अलावा टीवी में भी काम किया। उन्होंने ईना मीना डीका, दाल में काला है, सहारा, और गैर जैसे टीवी शो में काम किया है।

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण, यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा के रूप में

यश की टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला है—रुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता है—एक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा

सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है। हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है। निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूं—सेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है। यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार है—नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है। हाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है। वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगे—और टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

हिंदी रिमेक में बनेगी 'डियर कॉमरेड' की नई टीम

फिल्म 'लापता लेडीज' से अपनी सशक्त अदाकारी के जरिए पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के करियर में अब बड़ा मोड़ आ सकता है। खबर है कि उन्हें करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की आगामी फिल्म में कास्ट किए जाने पर विचार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी का नाम भी सबसे आगे चल रहा है। अगर बातचीत सफल रहती है, तो यह पहली बार होगा जब सिद्धांत और प्रतिभा की जोड़ी बड़े पर्दे पर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, धर्मा प्रोडक्शन तेलुगु सिनेमा की हिट फिल्म 'डियर कॉमरेड' (2019) का आधिकारिक हिंदी रीमेक तैयार कर रहा है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अभिनीत यह फिल्म रिलीज के समय दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय रही थी। अब करीब छह साल बाद, इसके हिंदी वर्जन को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं ने अभी फाइनल कास्ट तय नहीं की है, लेकिन सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा इस प्रोजेक्ट के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। काम के मोर्चे पर बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी हाल ही में 'धड़क 2' में नजर आए थे और 2026 में उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट लाइनअप में हैं। वह मृणाल ठाकुर के साथ 'दो दीवाने सहर में', तमन्ना भाटिया के साथ 'वी शांताराम' और फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' के हिंदी रीमेक में दिखाई देंगे। वहीं प्रतिभा रांटा को आने वाले समय में 'द रिवोल्यूशनरीज' में देखा जाएगा, साथ ही कार्तिक आर्यन की फिल्म 'नागजिला' में उनके शामिल होने की भी चर्चाएं जोरों पर हैं।

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर, सांस लेने में हो रही तकलीफ

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है। हिना खान ने कहा, प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है। अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता खराब स्तर पर है। हिना ने कैप्शन में लिखा, क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है। इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले। हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं। हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी। लेकिन अनुभव करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज, बड़े पर्दे पर अब मचेगा कॉस्मिक कॉमेडी का बवाल

जी स्टूडियोज और ब्लाइव प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी फिल्म राहु केतु का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और आते ही इसने साफ कर दिया है कि दर्शकों को मिलने वाला है एक ऐसा पागलपन भरा सफर, जहां पौराणिक कथाएं टकराएंगी आज के हंगामे से और हंसी के पीछे छुपा होगा एक बड़ा कॉस्मिक मैसेज। चुटीले ह्यूमर, शार्प राइटिंग और दमदार परफॉर्मेंस से भरा यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो जितनी एंटरटेनिंग है, उतनी ही सोचने पर मजबूर करने वाली भी। ट्रेलर की शुरुआत होती है पियूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज़ से, जो अपनी खास कहानी कहने की शैली में राहु और केतु के पौराणिक महत्व से दर्शकों को रूबरू कराते हैं। उनकी आवाज़ लोककथाओं की जड़ों में कहानी को मजबूती से बांधती है और एक ऐसी दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं टकराती हैं आज के मॉडर्न कन्फ्यूज़न से। फिल्म की कमान संभालते हैं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही दिल जीत लेती है। पुलकित अपने किरदार में चार्म, चालाकी और अनिश्चितता लेकर आते हैं, जो शॉर्टकट और महत्वाकांक्षा से चलने वाला है। वहीं वरुण शर्मा एक बार फिर साबित करते हैं कि सिचुएशनल कॉमेडी उनका मजबूत हथियार है, जहां उनका फिज़िकल ह्यूमर और ऑब्ज़र्वेशनल कॉमिक सेंस खूब रंग जमाता है। फिल्म की थीम पर बात करते हुए पुलकित सम्राट कहते हैं, फैंटेसी की दुनिया हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही है। राहु केतु में जो बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइटिंग लगी, वो था इस रंगीन और अराजक यूनिवर्स का हिस्सा बनना, जो पूरी तरह कॉमेडी से जुड़ा है। पौराणिक विचारों को मज़ेदार और आसान अंदाज़ में, खासकर बच्चों के लिए, ज़िंदा होते देखना और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही। वहीं वरुण शर्मा जोड़ते हैं, राहु केतु का ह्यूमर पूरी तरह सिचुएशंस और इंसानी कमज़ोरियों से निकला है। हम सिर्फ लोगों को हंसा नहीं रहे, बल्कि एक आईना दिखा रहे हैं, बस थोड़ा सा पागलपन, ढेर सारी मस्ती और अराजकता के साथ। शालिनी पांडे ट्रेलर में एक मजबूत और आत्मविश्वासी अवतार में नज़र आती हैं। उनका किरदार कहानी को भावनात्मक गहराई देता है और फिल्म की नैतिक रीढ़ को मज़बूती से थामे रखता है, जिससे स्क्रीन पर चल रहे पूरे हंगामे को एक ठोस दिशा मिलती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शालिनी पांडे कहती हैं, राहु केतु मेरे करियर के सबसे मज़ेदार सफरों में से एक रहा है। विपुल विग का विज़न बहुत स्पष्ट है, लेकिन वह अपने कलाकारों को अपनी सहज प्रवृत्ति लाने की पूरी आज़ादी देते हैं, जिससे काम करने का अनुभव बेहद खास बन जाता है। अपने को-एक्टर्स के साथ काम करना शानदार रहा और जी स्टूडियोज़ व ब्लाइव प्रोडक्शन्स ने जिस भरोसे और जुनून के साथ फिल्म को सपोर्ट किया है, वह स्क्रीन पर साफ झलकता है।

लंबे समय बाद सेट पर लौटीं कंगना रनौत, शुरू की भारत भाग्य विधाता की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत काफी समय से फिल्मों से दूर और राजनीति में ज्यादा सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने शीतकालीन सत्र में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा था, लेकिन अब काफी समय बाद कंगना वापस फिल्मी सेट पर लौटी हैं। उन्होंने शूटिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। सेट पर वापसी करने का अनुभव अभिनेत्री के लिए खुश कर देने वाला है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मनोज तापड़िया के साथ दिख रही हैं। अभिनेत्री सेट पर बाकी लोगों के साथ मिलजुल रही हैं और मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन भी समझा रहे हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है। कंगना फिल्म इमरजेंसी के बाद लंबे समय के बाद दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसका नाम है भारत भाग्य विधाता। इमरजेंसी के रिलीज के साथ कंगना ने भारत भाग्य विधाता की अनाउंसमेंट कर दी थी, लेकिन अब तकरीबन एक साल बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की गई है। भारत भाग्य विधाता को यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं, जबकि डायरेक्ट मनोज तापड़िया करेंगे, जिन्होंने मद्रास कैफे, चीनी कम, एनएच10, और माई जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है। भारत भाग्य विधाता एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें उन महान वीरों की कहानियों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता है। फिल्म की कहानी वीरता और साहस की भावना से भरी होने वाली है, लेकिन फिल्म कब रिलीज होगी, इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि अभिनेत्री की आखिरी रिलीज फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म के रिलीज पर भी बैन लगा दिया गया था, लेकिन कुछ बदलावों के साथ फिल्म को रिलीज की अनुमति मिल गई। इमरजेंसी का निर्माण और निर्देशन दोनों ही कंगना ने किया था। इसके अलावा, फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल भी प्ले किया था। इस फिल्म के लिए कंगना ने खूब मेहनत की थी, लेकिन फिर भी फिल्म पर्दे पर कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म का बजट लगभग 60 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म ने भारत में लगभग 20 करोड़ का कलेक्शन ही किया था। फिल्म ने अपने बजट का आधे से कम की कमाई की थी।

Manipur violence: SC orders forensic probe into 'available voice recordings' of ex-Manipur CM Biren Singh

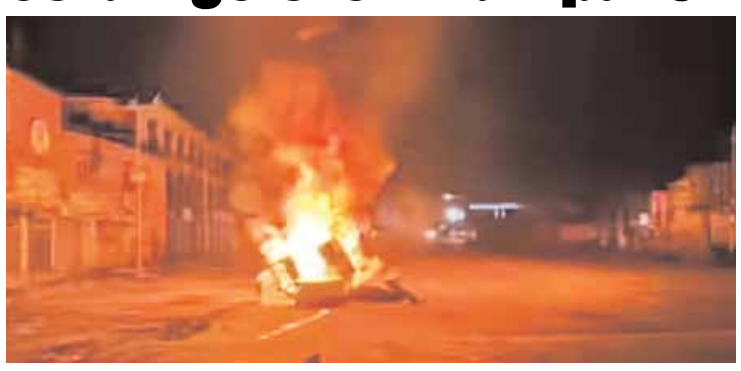

New Delhi,Agency: The Supreme Court on Wednesday ordered a full forensic examination of a controversial 48-minute audio recording that allegedly shows former Manipur Chief Minister N Biren Singh's involvement in the 2023 ethnic violence. The court directed the National Forensic Science University (NFSU) in Gandhinagar to analyze both the complete audio and Singh's admitted voice samples, with results to be submitted in a sealed cover, as reported by PTI.

"The entire 48 minutes of the conversation in question along with the admitted voice recordings of the former Manipur CM are available... All the voice recordings furnished to the respondents by the learned counsel for the petitioner shall also be included therewith and forwarded to the National Forensic Science University Gandhinagar," ordered the bench ordered.

The case, which has been listed about 10 times, gained new momentum when lawyer Prashant Bhushan, representing the Kuki Organisation for Human Rights (KOHUR) Trust, presented the complete transcript. The state government, through Additional Solicitor General Aishwarya Bhati, only recently received the full recording.

This fresh examination comes after earlier controversy when the NFSU initially gave a clean chit, claiming the audio clips were tampered with. The court had expressed concern in December that only selected portions were previously analysed instead of the complete recording.

The petition alleges that Biren Singh played a key role in violence against the Kuki-Zo community. According to lawyer Bhushan, the recorded conversation suggests state machinery's involvement in the ethnic clashes that killed over 260 people and displaced thousands since May 2023.

The violence erupted after a 'Tribal Solidarity March' protested the Manipur High Court's order on Meitei community's demand for Scheduled Tribe status.

Singh, who resigned as chief minister in February 2024 amid political pressure, is accused by KOHUR of orchestrating violence against Kuki-dominated areas.

New Town: Panic due to fire in multi-storey building

Kolkata, Agency: Panic arose in a multi-storey building in Kolkata's New Town area on Thursday morning.

According to reports, the fire broke out in a multi-storey building located in the Thakdari area of New Town at around 7 am. According to reports, flames were first seen in an office inside the building.

The fire department was informed immediately after receiving information about the incident.

Upon receiving the news, fire engines arrived at the scene and efforts to control the fire began on a war footing.

The building houses offices of several private companies, making it a major challenge for firefighters to control the fire before office hours.

According to preliminary information, no one was reported trapped inside the building.

The fire department is actively trying to control the situation to prevent a major accident.

The fire department has initially suspected a short circuit as the cause of the fire.

However, officials say the exact cause will only be known after a detailed investigation.

It's worth noting that a day earlier, on Wednesday evening, a massive fire broke out in the Matangini Colony slum in Nonadanga, Anandpur, completely destroying several houses.

This incident has once again raised questions about the city's fire safety system.

Nearly one and a half dozen wells burnt to ashes due to massive fire in Yamunanagar

Yamunanagar, Agency: A massive fire that broke out suddenly late Wednesday night in Baniyawala village of Yamunanagar district caused panic throughout the village.

The fire spread so rapidly in the wells and sheds outside the village that within a short time, 10 to 15 structures were completely reduced to ashes. The flames were visible from a distance, causing panic among the villagers. Upon receiving the news of the fire, a large number of villagers rushed to the spot and attempted to extinguish the fire on their own, but were unsuccessful due to

the intensity of the fire.

The fire brigade was then informed.

The fire brigade team arrived at the scene and brought the fire under control after considerable effort.

According to the villagers, the fire was spreading so rapidly that it even reached other nearby wells. Although no casualties were reported in the incident, straw and other goods worth lakhs of rupees were destroyed in the fire. Villager Ramkumar said he was resting at home after dinner when he heard a commotion outside.

Upon returning, he saw high flames outside the village, and people were running in that direction. Villagers suspect this incident may have been the work of some miscreant.

Police and administration are currently investigating the matter. Villagers remained at the scene until late at night.

Daksum-Sinthan road closed for all vehicles due to snow accumulation

Srinagar,Agency: Authorities on Thursday closed the Daksum-Sinthan road to all vehicles after snow accumulation made the road extremely slippery and unsafe. According to information shared by the National Highways and Infrastructure Development Corporation Limited (NHIDCL), the decision was taken in the interest of public safety as the current weather conditions had made the road dangerous.

Assam Chief Minister wishes Tripura Chief Minister Manik Saha on his birthday

Guwahati,Agency: Assam Chief Minister Dr. Himanta Biswa Sarma on Thursday extended warm greetings to Tripura Chief Minister Dr. Manik Saha on his birthday. He praised the development and progress taking place in Tripura under Dr. Saha's leadership.

Chief Minister Dr. Sarma said that the holy land of Maa Tripursundari is witnessing a new era of progress and development under the guidance and leadership of Dr. Manik Saha, which reflects his visionary leadership and commitment to public service. He also prayed to Maa Kamakhya and the great man Srimanta Sankardev for Dr. Manik Saha's good health and long life.

SDM along with officials inspected the bonfire arrangements and the hospital

Araria, Agency: Forbesganj SDM Ranjit Kumar Ranjan, along with Municipal Council Executive Officer Randhir Lal and Block Development Officer Sanjay Kumar, inspected the administration's bonfire arrangements and the sub-divisional hospital in Forbesganj and Narpatganj areas late last night to protect against the cold wave. Forbesganj SDM along with officials visited various bonfire points in the Municipal Council area and inspected the bonfire arrangements and gathered information about the bonfires from people trying to warm their bodies. They inspected bonfires at the bus stand, railway station, Patel Chowk, Subhash Chowk, Post Office Chowk, Jyoti Cinema Mor, and the sub-divi-

sional hospital premises. The SDM gave necessary instructions regarding the bonfires to the Executive Officer and Block Development Officer present on the spot and directed them to maintain the arrangements. In this sequence, SDM along with the officials went to the sub-divisional hospital and took stock of the arrangements of the hospital at night and gave necessary instructions to the doctors and health workers present there.

Manipur police rescue four youths from militant recruitment drive, one arrested

Imphal, Agency: Manipur Police have rescued four youths from being forcibly recruited into a banned militant organisation, following the arrest of an active cadre member in Imphal West district.

An official statement issued by the Manipur Police Headquarters on Thursday said that the officials detained 37-year-old Phamdom Dinesh Singh, also known as Wangba and Thembung, from his house at Takyel Khongbal Maning Leikai Lairambi Leirak under the jurisdiction of Patsoi police station on January 6.

Dinesh Singh is an active member of the banned Kangleipak ??Communist Party (MFL) and was allegedly involved in recruiting youths into the organisation. During interro-

gation, Dinesh revealed that four people who were held captive in a rented property in Langjing were freed during the operation. Police recovered a mobile handset and an unregistered Bajaj Pulsar motorcycle from the suspects.

The arrests raise concerns that militant groups are targeting vulnerable youth in the region to expand their membership.

Authorities have not disclosed the identities of the rescued individuals for security reasons.-

NRAI suspends national coach Ankush Bhardwaj after minor accuses him of sexual harassment

New Delhi,Agency: Ankush Bhardwaj, a member of India's shooting coaching staff, has been accused of sexual harassment by a minor shooter, prompting the National Rifle Association of India (NRAI) to suspend him, news agency PTI reported.

The NRAI confirmed that an FIR has been filed against Bhardwaj in Faridabad.

"NRAI has suspended him and we will issue a show-cause notice," NRAI secretary Rajiv Bhatia told

"He has been suspended on moral grounds. Now, he has to prove himself innocent. Till the inquiry is not completed, he will not be associated with any coaching activity," he added. Bhatia said Bhardwaj had been recommended by the NRAI for a place in the 37-strong coaching team after the Paris Olympics in 2024.

"It was on the recommendation of the NRAI that he was appointed by SAI as one of the coaches. It is a case of sexual harassment which happened in Surajkund," said Bhatia. The secretary did not specify when the incident took place. However, according to the FIR filed by the victim, she was targeted last month after a training session at the Karni Singh Range.

The girl, who has been training with Bhardwaj since August last year, stated that she was left traumatised by the incident and spoke up in front of her mother on January 1 after being persistently probed. Bhardwaj, a former pistol shooter, had previously served a doping ban in 2010 for the use of a beta-blocker during his competitive days.

6.5 crore removed from SIR draft roll in 9 states, 3 UTs

New Delhi,Agency: The names of 6.5 crore electors were removed from the draft electoral rolls of nine states and three Union Territories published in the past days as part of the ongoing Special Intensive Revision (SIR) exercise being carried out by the Election Commission.

Before Phase 2 of the SIR, which commenced on October 27, the 12 states and UTs had 50.90 crore electors. After the separate draft rolls were published, the number of electors dwindled to 44.40 crore. EC officials said the names of those removed from the draft rolls have been put in the 'ASD' or absent, shifted and dead/duplicate category. They had earlier cited available trends to say that the collection of enumeration forms had been "much less" in urban areas as compared to rural areas.